# अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–12 अंक–205 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ शुक्रवार 24 नवम्बर 2023 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया


## संक्षिप्त समाचार

### पुलिस महकमे में मनाया गया पुलिस झंडा दिवस,

#### सीएम को डीजीपी ने लगया फ्लैग–पिन, दी शुभकमानाएं

लखनऊ। यूपी के सभी जिलों में गुरुवार को थानों, पुलिस चौकियों और पुलिस कार्यालयों में पुलिस झंडा दिवस मनाया गया। पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर डीजीपी विजय कुमार और स्पेशल डीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ को फ्लैग पिन लगाया और प्रतीक चिन्ह भेट किया। सीएम योगी आदित्य नाथ ने एक्स पर प्रदेश की पुलिस के सभी जवानों और अधिकारियों को पुलिस झंडा दिवस की शुभकामनाएं दी। वहीं, पुलिस मुख्यालय में कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों द्वारा झंडे को सलामी दी गई। पुलिस मुख्यालय पर झंडा दिवस पर डीजीपी विजय कुमार ने सभी पुलिस कर्मियों को झंडा दिवस की बधाई देते हुए कहा कि यह ध्वज हमारे चरित्र को दर्शाता है। जो हमारे गौरवशाली इतिहास का प्रतीक है, जिसमें हमने देश सेवा, लोक सेवा में अपने कौशल, शौर्य और कर्तव्यपरायणता से अप्रतिम योगदान दिया है। इस दौरान पुलिस मुख्यालय में मौजूद अधिकारियों और जवानों ने सलामी दी। 23 नवंबर 1952 को भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने उत्तर प्रदेश पुलिस और पीएसी को फ्लैग प्रदान किया था। ध्वज का आकार चार फीट लंबा व तीन फीट चौड़ा, ध्वज में दो रंग है। इसमें ऊपर लाल रंग व नीचे नीला रंग है। इसी दिन पीएसी बल को भी ध्वज प्रदान किया गया था।

### फुटकर किराना व्यापारियों ने हलाल मोनोग्राम अंकित खाद्य उत्पाद वापस लेने की मांग की

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के बैनर तले राजधानी के फुटकर किराना व्यापारी उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक से मिले। उनसे व्यापारियों को हलाल मोनोग्राम अंकित उत्पादों के लिये समय देने की मांग की तथा किराना व्यापारीयों के वहां किसी प्रकार की छापे की कार्रवाई को रोकने की मांग की किराना व्यापारियों ने कहा हलाल प्रकरण पर किराना व्यापारी सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करेंगे व्यापारियों के पास सभी माल की खरीद बिक्री( जीएसटी )के बिल पर्चे मौजूद हैं। सरकार निर्माता कंपनियों को व्यापारियों के फुटकर उत्पाद वापस लेने के निर्देश दे ताकि व्यापारियों का नुकसान ना हो तथा व्यापारियों को भी कुछ समय सरकार दे तथा छापे की कार्रवाई ना करें। प्रतिनिधि मंडल में अनिल अग्रवाल ,रमेश गुप्ता, संजय अग्रवाल, गगन अरोरा, दिनेश जायसवाल, दिनेश गुप्ता ,अश्वनी मिश्रा, आनंद अग्रवाल, मोनू अग्रवाल, अजय प्रताप सिंह शामिल थे।

## योगी से मिले बेल्जियम के राजदूत सीएम ने ओपीओडी का उत्पाद भेंट किया,

### डिफेंस एंड स्पेस सहित कई सेक्टरों में साझेदारी करेगा

लखनऊ। लखनऊ में गुरुवार को सीएम योगी ने बेल्जियम के राजदूत डिडियर वेंडरहासेल्ट से मुलाकात की।इस दौरान राजदूत के साथ चार सदस्यीय दल भी पहुंचा। योगी ने डिडियर वेंडरहासेल्ट को ओपीओडी का उत्पाद भेंट किया। वहीं, दोनों

देशों की बीच अच्छे संबंध और विकास को बेहतर करने के लिए संभावनाओं को लेकर चर्चा हुई। डिडियर वेंडरहासेल्ट ने सीएम के कार्यों की तारीफ की। उधर, यूपी में विभिन्न सेक्टरों में साझेदारी के लिए इच्छा व्यक्त की है। खासकर वेस्ट मैनेजमेंट, डिफेंस एंड स्पेस, सोलर प्रोजेक्ट और सेमी कंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में बेल्जियम की ओर से रुचि दिखाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के दौरान किंगडम ऑफ बेल्जियम के राजदूत डिडएर वेंडरहासेल्ट ने उत्तर प्रदेश में हुए अभूतपूर्व विकास कार्यो की तारीफ की। इस दौरान वीटो अरबिया साइंस एंड टेक्नोलॉजी एलएलसी के साउथ एशिया और इंडिया ऑपरेशंस के लीड इब्राहिम हफीउर रहमान ने कंपनी द्वारा वेस्ट मैनेजमेंट के क्षेत्र में किये गये कार्यो के जानकारी सीएम योगी को दी। इस दौरान वीटो अरबिया साइंस एंड टेक्नोलॉजी एलएलसी के साउथ एशिया और इंडिया ऑपरेशंस के लीड इब्राहिम हफीउर रहमान ने कंपनी द्वारा वेस्ट मैनेजमेंट के क्षेत्र में किये गये कार्यों का प्रेजेंटेशन भी मुख्यमंत्री के सामने रखा गया।

## लखनऊ में बिना नक्शा पास कराए बनी बिल्डिंग सील,

### एलडीए ने की कार्रवाई, कांप्लेक्स और अवैध अपार्टमेंट में टीम ने लगाया ताला

लखनऊ। लखनऊ में एलडीए ने बिना नक्शा पास करवाए ही किए गए चार बड़े अवैध निर्माणों पर कार्रवाई की। प्राधिकरण ने अलग अलग थाना क्षेत्रों में यह कार्रवाई की है। जिसमें एक कांप्लेक्स और एक अवैध अपार्टमेंट को सील कर दिया गया है। प्रवर्तन जोन–3 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि रजनीश चन्द्र यादव व अन्य द्वारा काकोरी के कठिगरा में आगरा एक्सप्रेस–वे की सर्विस रोड पर लगभग 3500 वर्गफीट क्षेत्रफल में बेसमेंट समेत दो तलो पर दुकानों का निर्माण कराया गया था। इसी तरह डॉ एके यादव, मुन्ना व अन्य द्वारा काकोरी के ग्राम–नटकोरा में लगभग 4 बीघा क्षेत्रफल में पूर्व विकसित अनाधिकृत कालोनी में बिजली के खम्भे लगाने पूर्व निर्मित तीन मंजिला भवन में फिनिशिंग फ्लोरिंग का कार्य कराया जा रहा था। विश्वनाथ लोधी, विनोद लोधी व अन्य द्वारा पारा के नरपत खेडा में लगभग 2200 क्षेत्र में बेसमेंट समेत अन्य तलों पर दुकानों का निर्माण कराया गया था। इसके अलावा वली व अन्य द्वारा पारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत काकोरी मिले थे। इसके अनुपालन में आज सहायक अभियंता वाईपी सिंह के नेतृत्व में अवर अभियंता भरत कुमार पाण्डेय, भानू प्रताप वर्मा, प्रमोद कुमार पांडेय द्वारा प्राधिकरण पुलिस

मोड़ से पहले मेडो हॉस्पिटल के बगल में लगभग 1400 वर्गफुट क्षेत्रफल में व्यवसायिक निर्माण करवाया जा रहा था लखनऊ प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराए बिना इन निर्माणों के विरुद्ध कोर्ट से सीलिंग के आदेश व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से अवैध निर्माणों को सील कर दिया गया। वहीं एलडीए के अधिकारियों ने बताया अवैध रूप से जो भी बिना मानचित्र के निर्माण होगा, उस पर कार्रवाई की जाएगी।

## लोक निर्माण विभाग के डिप्लोमा इंजीनियर्स ने दिया धरना

लखनऊ। डिप्लोमा इंजीनियर्स लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर्स ने क्षेत्रीय मुख्य अभियंमता मुख्यालय पर प्रदर्शन करते हुए बलिया में ठेकेदारों द्वारा की जा रही गुण्डागर्दी को रोकने तथा उनके विरूद्व गैंगस्टर की कार्यवाही करने और औरया, मुजज्जफर नगर, लखीमपुर के अधिाषासी अभियंताओं द्वारा डिप्लोमा इंजीयनर्स के उत्पीड़न को रोकने तथा उनके विरूद्व कार्यवाही की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन भी दिया गया। डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रेशित संघर्श नोटिस दिनांक 10.11.2023 के माध्यम से प्रस्तुत किये गये मांग पत्र पर विभागीय उदासीनता प्रदर्शित करते हुए विचार न किये जाने से प्रदेशभर के डिप्लोमा इंजीनियर्स में व्यापक आक्रोष व्याप्त हो गया है। डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ की प्रान्तीय कार्यकारिणी द्वारा विभागाध्यक्ष को प्रेशित संघर्ष नोटिस दिनांक 10.11.2023 के माध्यम से तीन मांग विभाग के समक्ष रखी गयी थी एवं दिनांक 22.11.2023 तक का समय इन मांगों पर निर्णय लेने हेतु दिया गया था। दिनांक 22.11.2023 तक निर्णय न लिये जाने पर पूरे प्रदेश के मण्डल मुख्यालय पर धरना,विरोध प्रदर्शन किये जाने का निर्णय लिया गया था। विभाग द्वारा आज तक उक्त मांगों पर कोई कार्यवाही न किये जाने के कारण आज प्रदेश के सभी मण्डल मुख्यालय पर क्षेत्रीय मुख्य अभियंता कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन कार्यक्रम पूरे प्रदेश में किया गया तथा सभी क्षेत्रों के क्षेत्रीय पदाधिकारियों द्वारा क्षेत्रीय मुख्य अभियन्ता के माध्यम से मा0 मुख्यमंत्री जी, मंत्री लोक निर्माण विभाग, राज्यमंत्री लोक निर्माण विभाग एवं समस्त उच्चाधिकारियों को ज्ञापन प्रेशित किया गया। इसी क्रम में मध्य क्षेत्र लखनऊ के तत्वावधान में मुख्यालय पर मुख्य अभियंता, मध्य क्षेत्र के समक्ष धरना कार्यक्रम किया गया। मध्य क्षेत्र में कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य क्षेत्र के अध्यक्ष इं0 राजेश कुमार वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन इं0

राजर्शि त्रिपाठी मण्डल अध्यक्ष, उ0प्र0 डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ एवं क्षेत्रीय महामंत्री इं0 विनोद कुमार गौतम द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद लखीमपुर, सीतापुर, लखनऊ, उन्नाव, रायबरेली एवं हरदोई के सभी पदाधिकारी एवं समस्त जूनियर इंजीनियर्स एवं पदोन्नत सहायक अभियंता द्वारा भागीदारी की गयी। मध्य क्षेत्र के कार्यक्रम में उ0प्र0 डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के प्रान्तीय अध्यक्ष इं0 हृदय नारायण मिश्रा, डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ, लोक निर्माण विभाग के प्रान्तीय अध्यक्ष इं0 एन0डी0 द्विवेदी, वरिश्ठ उपाध्यक्ष इं0 श्रवण कुमार एवं प्रान्तीय महामंत्री इं0 प्रकाश चन्द द्वारा भागीदारी की गयी। इस कार्यक्रम में संघ के कई प्रान्तीय पदाधिकारी एवं समस्त क्षेत्रीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अन्त में क्षेत्रीय अध्यक्ष इं0 राजेश कुमार वर्मा एवं क्षेत्रीय महामंत्री इं0 विनोद कुमार गौतम द्वारा मुख्य अभियन्ता मध्य क्षेत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेशित किया गया। क्षेत्रीय महामंत्री इं0 विनोद कुमार गौतम ने बताया कि मध्य क्षेत्र के सभी सदस्य इस आन्दोलन में शतप्रतिशत भागीदारी करेंगे। क्षेत्रीय अध्यक्ष इं0 राजेश कुमार वर्मा ने अवगत कराया कि मध्य क्षेत्र का एक–एक सदस्य संघर्ष कार्यक्रम में भागीदारी करेगा तथा किसी भी कीमत पर उत्पीड़न बर्दाश्त नही किया जायेगा। इं0 राजर्षि त्रिपाठी मण्डल अध्यक्ष ने मण्डल स्तर पर महासंघ के सभी घटक संघों का समर्थन दिये जाने की बात कही। महासंघ के प्रान्तीय अध्यक्ष इं0 एच0एन0 मिश्रा ने आश्वस्त किया कि यदि आवश्यकता पड़ी तो महासंघ के सभी घटक संघ इस कार्यक्रम में भागीदारी करेंगे। विभागीय अधिकारियों को संघ की समस्याओं पर सकारात्मक निर्णय ले लेना चाहिये। मुख्यालय पर धरना कार्यक्रम में सदस्यों को सम्बोधित करते हुए संघ के प्रान्तीय महामंत्री इं0 प्रकाश चन्द ने बताया कि आज प्रदेश के सभी मण्डल मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन कार्यक्रम चल रहा है और इन कार्यक्रमों में अच्छी तादात में सदस्यों द्वारा भागीदारी की जा रही है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष इं0 श्रवण कुमार ने अवगत कराया कि विभागीय हठधर्मिता के कारण आज सदस्य पूरे प्रदेश में आन्दोलन करने को विवष है। संघ के प्रान्तीय अध्यक्ष ने अवगत कराया कि विभागीय अधिकारियों में पूरी उदासीनता है निर्णय लेने की क्षमता का अभाव होने के कारण आज प्रदेश के डिप्लोमा इंजीनियर्स आन्दोलन करने को विवश हैं। कुछ अधिकारियों द्वारा खण्डीय अभियंताओं का उत्पीड़न किया जा रहा है। विभाग में विकास कार्य सम्पादित करा पाना अब बहुत ही मुश्किल होता जा रहा है। यदि संघ द्वारा प्रेषित मांग पत्र पर दिनांक 30 नवम्बर 2023 तक सकारात्मक निर्णय नही लिया जाता तो दिनांक 01 दिसम्बर 2023 को प्रदेश के सभी डिप्लोमा इंजीनियर्स मुख्यालय का घेराव करते हुए धरना प्रदर्शन करेंगे तथा दिनांक 01 दिसम्बर 2023 को ही आगामी विस्तृत आन्दोलन, कार्य बहिष्कार,हड़ताल की घोषणा कर दी जायेगी जिसके लिए पूरी तरह से विभाग जिम्मेदार होगा।

## लखनऊ नगर निगम सदन की वंदे मातरम से होगी शुरुआत,

### इकाना और केडी सिंह के बाद शहर में एक और स्टेडियम बनेगा

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम सदन गुरुवार को हंगामे के साथ शुरू हुआ। पुनरीक्षित बजट को लेकर बुलाए गए सदन की शुरुआत में बीजेपी पार्षदों ने हंगामा किया। नगर निगम जोन–3 के सफाई इंस्पेक्टर सुनील वर्मा को हटाने की मांग को लेकर बीजेपी पार्षदों ने हंगामा किया। उनका आरोप है कि सुनील वर्मा पूरे जोन–3 में आम आदमी से लेकर जनप्रतिनिधियों तक से बदतमीजी करते हैं। उनको हटाने के विरोध में मेयर और नगर आयुक्त के डायस तक पार्षद पहुंच गए। पार्षदों के व्यवहार से मेयर सुषमा खर्कवाल नाराज हुईं। जब एक पार्षद अपनी बात रख रहे थे, तभी दूसरे पार्षद हंगामा कर रहे थे। इससे मेयर नाराज हो गईं। उन्होंने कहा कि यह सदन है कि मछली मंडी... कुछ समझ नहीं आ रहा है। लखनऊ नगर निगम सदन की शुरुआत वंदे मातरम से करने का प्रस्ताव आया। इसको लेकर समाजवादी पार्षद यावर हुसैन रेशू ने सवाल खड़ा किया। उनका कहना था कि आज से पहले सदन की शुरुआत कभी भी वंदे मातरम से नहीं हुई थी। हालांकि कांग्रेस पार्षद मुकेश सिंह चौहान ने कहा, इसमें कोई एतराज नहीं और सदन में वंदे मातरम होना चाहिए। उसके बाद सदन की शुरुआत वंदे मातरम से की गई। मेयर सुषमा खर्कवाल ने इसको लेकर लोकसभा और राज्यसभा का हवाला दिया। उन्होंने कहा, सदन की शुरुआत वंदे मातरम से और समापन

राष्ट्रगान से किया जाएगा। नगर निगम सदन में भाजपा और सपा पार्षद गाय को लेकर भिड़ गए। दरअसल भाजपा पार्षद किसी बात पर आवारा गाय बोल गए। इसको लेकर सपा पार्षद लाइका गाने ने सवाल खड़ा कर दिया कि गाय को आवारा न बोले। वह माता है तो आवारा कैसे हो गई। इसको लेकर भाजपा पार्षदों ने हंगामा करना शुरू कर दिया कि आप बेवजह का मजाक कर रहे हैं सदन में। सपा और कांग्रेस पार्षद इसको को लेकर विरोध में खड़े हो गए। इकाना और केडी सिंह के बाद लखनऊ में एक और स्टेडियम बनेगा। नगर निगम ट्रिपल पी मॉडल पर लखनऊ स्टेडियम बनाएगा। इसको लेकर जमीन नगर निगम देगा बाकी प्राइवेट फॉर्म से इसको तैयार करेगा। नगर निगम अपनी आय बढ़ाने के लिए शहर के सभी ट्रांसफार्मर पर हाउस टैक्स लेगा। लेस के करीब 20000 से ज्यादा ट्रांसफार्मर लखनऊ में लगे हैं। उन सभी जगह को चिह्नित कर क्षेत्रफल के हिसाब से हाउस टैक्स लगाया जाएगा। पार्षदों ने आय बढ़ाने के लिए प्रस्ताव दिया। उसको सदन से स्वीकार कर लिया है। शहर में चल रहे सिंगल स्क्रीन और मल्टीप्लेक्स सिनेमा हॉल पर टैक्स बढ़ाया जाएगा। नगर निगम सदन में तय किया गया है कि अभी प्रति शो 25 रुपए के हिसाब से टैक्स लिया जाता है। उसको करीब 100 तक करने का प्रस्ताव आया है। हालांकि इसके लिए कमेटी बनेगी। कमेटी ही रेट तय करेगी, लेकिन रेट बढ़ने का प्रस्ताव पारित कर दिया गया है। सिंगल स्क्रीन और मल्टीप्लेक्स मिलाकर शहर में 25 जगह पर मूवी दिखाई जाती है। शहर में प्रतिदिन करीब 350 शो चलते हैं। लखनऊ में नो पार्किंग जोन में खड़ी गाड़ियों को उठाने का काम नगर निगम का है। इसको लेकर शासन को पत्र लिखा जाएगा। वहां से सहमति मिलने के बाद गाड़ियों को उठाने का काम नगर निगम करेगा। भाजपा पार्षद सुरेश तिवारी पम्मी और कांग्रेस पार्षद मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि मौजूदा समय गाड़ियों को उठाने में बड़े स्तर पर धांधली की जा रही है। आम आदमी को प्रताड़ित किया जा रहा है। यह काम नगर निगम का था, लेकिन ट्रैफिक विभाग को दे दिया गया। शहर में अब गाड़ियां उठाने का काम फिर से नगर निगम को वापस ले लेना चाहिए।

## योगी ने शहीद कैप्टन शुभम गुप्ता को अर्पित की श्रद्धांजलि,

### परिजनों को 50 लाख की सहायता व मिलेगी सरकारी नौकरी

लखनऊ। जम्मू–कश्मीर के राजौरी में बुधवार को आतंकियों के साथ मुठभेड़ में सेना के 2 अफसर और दो जवान शहीद हो गए। इनमें आगरा के डीजीसी क्राइम बसंत कुमार गुप्ता के बेटा कैप्टन शुभम गुप्ता भी शहीद हुए हैं। उनकी शहीदी पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। साथ ही सीएम योगी ने परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान करने की भी घोषणा की है। मुख्यमंत्री योगी ने शहीद के परिजनों को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने और उसके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने तथा जिले की एक सड़क का नामकरण शुभम गुप्ता के नाम पर

करने की भी घोषणा की है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार इस दु:ख की घड़ी में शोकाकुल परिजनों के साथ है। जम्मू–कश्मीर के राजौरी में बुधवार को आतंकियों के साथ मुठभेड़ में सेना के दो अफसर और दो जवान शहीद हो गए। इनमें आगरा के डीजीसी क्राइम बसंत कुमार गुप्ता का बेटा कैप्टन शुभम गुप्ता भी शहीद हुआ है। इसकी सूचना घर पर पहुंचते ही कोहराम मच गया। आर्मी के अधिकारी बसंत कुमार गुप्ता के ताजनगरी स्थित घर पर पहुंच गए। कैप्टन शुभम गुप्ता का चयन 2015 में आर्मी में हुआ था। कैप्टन शुभम गुप्ता को 2018 में कमीशन मिला। कैप्टन नाइन पैरा में थे। धर्मशाला के बाजीमाल इलाके में बुधवार को आतंकियों के छिपे होने की सूचना पर सेना और जम्मू–कश्मीर पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाया। इसी दौरान जंगल में छिपे आतंकियों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। यहां दो आतंकियों के छिपे होने की खबर है। इसी हमले में कैप्टन शुभम शहीद हो गए हैं।

## अब कक्षा एक से आठ पढ़ाया जायेगा आपदा प्रबंधन

### छह से आठ तक की किताब में है टॉपिक

लखनऊ। अब कक्षा एक से आठ तक में हिन्दी, अंग्रेजी और गणित की तरह आपदा प्रबंधन का अलग से पाठ्यक्रम शुरू होगा। वर्तमान में प्रदेश के 1.50 लाख से अधिक सरकारी स्कूलों में भूगोल विषय के तहत आपदा प्रबंधन का एक अंश पढ़ाया जाता है। इन स्कूलों में पढ़ने वाले तकरीबन दो करोड़ बच्चों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से अलग से पाठ्यक्रम लागू करने की तैयारी तेज हो गई है। डीजी स्कूल शिक्षा विजय किरन आनंद ने राज्य शिक्षा संस्थान के विशेषज्ञों को पाठ्यक्रम तैयार करने को कहा है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के संयुक्त निदेशक डॉ. पवन कुमार ने 10 नवंबर को प्राचार्य राज्य शिक्षा संस्थान को इस संबंध में पत्र भेजा है। कक्षा एक से पांच तक और छह से आठ तक के लिए अलग–अलग पाठ्यक्रम तैयार किया जा रहा है। संस्थान की सहायक उप शिक्षा निदेशक डॉ. दीप्ति मिश्रा ने बताया कि पाठ्यक्रम तैयार किया जा रहा है। वर्तमान में कक्षा छह से आठ तक की किताब में ही आपदा प्रबंधन के कुछ टॉपिक पढ़ाए जा रहे हैं। कक्षा आठ की किताब 'भारतः संसाधन एवं विकास' में आपदा प्रबंधन नाम से पाठ 11 है। इसमें आपदा की अवधारणा, आपदा के प्रकार, प्राकृतिक आपदाएं, कारण व प्रबंधन, भारत में आपदा प्रबंधन भारत में आपदा प्रबंधन की संस्थागत संरचना तथा आपदा प्रबंधन के तत्व पढ़ाया जा रहा है। कक्षा छह से आठ तक की पुस्तक स्काउट गाइड शिक्षा में पाठ संख्या 17, 20, 32 व 40 में आग से सुरक्षा के उपाय व रसोई गैस स्रावित होने पर सुरक्षा विधि से संबंधित विषयवस्तु शामिल है।

## हलाल उत्पादों पर प्रतिबंध के चलते यूपी में एफएसडीए की टीमों ने की छापेमारी, खाली हाथ लौटीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में हलाल प्रमाणीकरण जारी करने वाली कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने के बाद खाद्य सुरक्षा और औषधि प्राधिकरण (एफएसडीए) की इकाइयों ने उत्पादों का निरीक्षण और जब्त करना जारी रखा है। जबकि राज्यव्यापी समीक्षा गुरुवार के लिए यानी आज के लिए निर्धारित की गई है, जिलों ने विभिन्न स्थानों पर खोज अभ्यास जारी रखा है। लखनऊ में सहायक खाद्य आयुक्त एसपी सिंह के नेतृत्व में एफएसडीए की टीम ने चार स्थानों से 26 हजार रुपये से अधिक की सामग्री जब्त की। इसी तरह, प्रयागराज में भी एफएसडीए की टीम ने विभिन्न दुकानों का निरीक्षण किया। सहायक आयुक्त, खाद्य, ममता ने उन टीमों का नेतृत्व किया जिन्होंने पिछले दो दिनों में 95 स्थानों को स्कैन किया। छापेमारी में 6500 रुपये के सैंपल जब्त कर लैब भेजे गए। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, उत्पादों में कुछ कन्फेक्शनरी के अलावा बेकिंग सोडा, कोको पाउडर, वेज बर्गर पैटीज और वेज मोमोज जैसे खाने के लिए तैयार खाद्य पदार्थ शामिल थे। गोरखपुर में शहर के बाजार में अलग–अलग स्थानों से 40 हजार रुपये की खाद्य सामग्री जब्त की गयी। हितेंद्र मोहन त्रिपाठी के नेतृत्व में टीमों ने नूडल्स, टॉफी, कॉफी, ब्राउन शुगर और खाद्य करी मिश्रण जैसी वस्तुओं के नमूने एकत्र किए। अयोध्या में माणिक चंद्र सिंह के नेतृत्व में एक टीम ने मुख्य शहर के बाजार से पैक मसालों के नमूने एकत्र किए। बताया जा रहा है कि इसी तरह की छापेमारी कानपुर, अयोध्या, गौतमबुद्ध नगर, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, गोरखपुर, इटावा, औरैया और रायबरेली सहित दो दर्जन से अधिक जिलों में की गई। औषधि निरीक्षकों ने कुछ केंद्रीय जिलों में भी टीमों का नेतृत्व किया और मेडिकल स्टोरों की जांच की, जहां उन्होंने हर्बल चाय और स्वास्थ्य रस जैसी सामग्री जब्त की। हालाँकि, कुछ स्थानों पर कोई गलत ब्रांड वाली सामग्री नहीं पाई गई। कानपुर में सहायक आयुक्त (खाद्य) विजय प्रताप सिंह और उनकी टीम ने 19 स्थानों पर तलाशी ली, लेकिन खाली हाथ लौटे।

# सम्पादकीय

## 4 दिन का युद्ध विराम क्या राहत लाएगा

46 दिन बाद गजा में हिंसा रुकने की कोई उम्मीद जागी है। 7 अक्टूबर को हमास ने इजरायल पर हमला किया था, जिसमें 12 सौ लोग मारे गए। यह पचास वर्षों में किए गए सबसे भयावह हमलों में से एक था। फिलिस्तीन पर किसी भी तरह कब्जा जमाने की फिराक में लगे इजरायल के लिए यह हमला सुनहरा मौका लेकर आया। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बिना समय गंवाए युद्ध का ऐलान कर दिया। 12 सौ इजरायलियों के बदले 14 हजार फिलिस्तिनियों को मारा जा चुका है। नेतन्याहू शायद इस सदी का सबसे भयावह नरसंहार अपने नाम करवाने में सफल हो गए होंगे। हालांकि रूस और अमेरिका से उन्हें चुनौती मिल रही होगी, लेकिन फिलहाल नेतन्याहू की टक्कर में कोई नहीं दिख रहा है। रूस में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी यूक्रेन के साथ जंग छेड़ी हुई है, लेकिन अपने हमलों में वे नैतिकता और लोकतंत्र का पाठ दुनिया को नहीं समझाते हैं, बल्कि साफ–साफ अपने मतलब की बात करते दिखते हैं। वहीं अमेरिका बड़ी चालाकी से अपनी गोटियां रखता है। यूक्रेन से लेकर इजरायल और फिलिस्तीन तक हर युद्धग्रस्त क्षेत्र में अमेरिकी मौजूदगी नजर आएगी, मगर वो कहीं भी युद्ध का सीधे भागीदार नहीं बनता। विश्वशांति से लेकर लोकतंत्र और निरस्त्रीकरण तक सारे दायित्व उसने अपने नाम लिखवा लिए हैं और शातिराना तरीके से ऐसा माहौल बना दिया है कि अब अमेरिका से उसकी जवाबदेही के बारे में कोई सवाल नहीं करता। कभी किसी ने कर भी लिए तो अमेरिका उनका जवाब देना जरूरी नहीं समझता। तो इस तरह नरसंहार की दौड़ में फिलहाल नेतन्याहू सबसे आगे हैं। हिटलर के बाद शायद अब नेतन्याहू की ही मिसालें दी जाएंगी कि किस तरह मासूम लोगों को नफरत का शिकार बनाया गया। संयोग ऐसा है कि हिटलर ने यहूदियों पर जुल्म ढाए और अब यहूदियों को इंसाफ के नाम पर नेतन्याहू उसी राह पर हैं। हालांकि दुनिया भर में लोग इजरायल की क्रूरता के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। कई जगहों से लोगों ने युद्ध को तत्काल रोकने की अपील की है, ताकि निर्दोषों की मौत का सिलसिला रुके। इजरायल के खिलाफ आवाज उठाने वालों में यहूदी भी शामिल हैं। इससे जाहिर है कि अपने नाम पर की जा रही ये हिंसा यहूदियों को बर्दाश्त नहीं हो रही है। दुनिया में अगर सभी लोग धर्म के नाम पर चलाई जा रही राजनीति और हिंसा को रोकने के लिए उठ खड़े हों, तो काफी हद तक शांति स्थापित हो सकती है। बहरहाल, फिलहाल अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच इजरायल की कैबिनेट ने 50 बंधकों की रिहाई को सुरक्षित करने के लिए हमास के साथ युद्ध विराम के समझौते को मंजूरी दे दी है। इसके तहत लड़ाई में चार दिन के विराम के दौरान बंधक रिहा किए जाएंगे, यह भी कहा गया है कि अतिरिक्त दस बंधकों की रिहाई पर युद्ध विराम को एक और दिन के लिए बढ़ाया जाएगा। हालांकि खबर ये भी है कि कैबिनेट की बैठक से पहले इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि बंधकों की रिहाई के लिए समझौता होने के बावजूद हमास के साथ युद्ध जारी रहेगा। अब इजरायल की केबिनेट की बात सुनी जाएगी या नेतन्याहू की, ये अगले दो–तीन दिनों में ही साफ हो जाएगा। अगर युद्ध रुका रहा, तो यह बहुत बड़ी राहत होगी। इस समझौते के बाद हमास ने बताया है कि इजरायली बंधकों के बदले इजरायल की जेलों से 150 फिलिस्तीनियों को रिहा किया जाएगा। क्या इजरायल वाकई ऐसा करेगा, ये देखना होगा। इस समझौते के तहत राहत सामग्री और दवाइयां लेकर आने वाले सैकड़ों ट्रकों को गजा में दाखिल होने की अनुमति दी जाएगी। गौरतलब है कि ईंधन, भोजन, पानी और दवाओं के अभाव में गजा एक बड़े कब्रिस्तान में बदलता जा रहा है। फिलिस्तिनियों के लिए मात्र 10 प्रतिशत ही भोजन उपलब्ध है, अस्पतालों में बिजली और दवाओं के न होने के कारण मरीजों का इलाज नहीं हो रहा। ऊपर से इजरायली विमानों ने चुन–चुन कर अस्पतालों को निशाना बनाया है, जबकि वहां आतंकियों के ठिकाने हैं, इसकी कोई पुष्टि नहीं है। जो लोग बमों और गोलियों से न मरें, वे भूख और बीमारी से मर जाएं, कुछ हालात ऐसे बन गए हैं। ऐसे में राहत सामग्री के पहुंचने से कुछ तो मदद मिलेगी। चार दिनों के युद्ध विराम के इस समझौते को करवाने में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, और सीआईए के प्रमुख खास तौर पर शामिल रहे। अमेरिकी नेताओं ने कतर और इजराइल के साथ लगातार वार्ताएं कीं ताकि समझौते को अंतिम रूप दिया जा सके। दरअसल इस समझौते में अमेरिका के अपने हित भी जुड़े हैं। 7 अक्टूबर से दस अमेरिकी लापता हैं और ये माना जा रहा है कि उन्हें बंधक बनाकर रखा गया होगा। साफ हो गया कि बिना स्वार्थ के अमेरिका कुछ नहीं करता। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र संघ ने युद्ध विराम की कितनी कोशिशें की, लेकिन अमेरिकी रवैये के कारण वे सफल नहीं हो पाईं। दुख इस बात का है कि भारत भी अमेरिका के पीछे चलता दिखाई दे रहा है। कल ही यानी मंगलवार को ब्रिक्स देशों ने एक असाधारण वर्चुअल सम्मेलन में गजा में तुरंत संघर्ष–विराम लागू करने की अपील की थी।

इसके सदस्य देशों में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि फिलिस्तीनियों की अलग देश की मांग को लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा है, तो वहीं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस संकट के लिए नाकाम अमेरिकी कूटनीति को जिम्मेदार बताया और दक्षिण अफ्रीका ने इजरायल पर श्युद्ध अपराधोंश और नरसंहार के आरोप लगाये हैं। लेकिन भारत की ओर से मोदी इस बैठक में शामिल नहीं हुए, शायद उनकी चुनावी व्यस्तता थी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसमें हिस्सा लिया। ब्रिक्स नेताओं ने जहां संघर्षविराम की मांग की वहीं भारतीय विदेश मंत्री ऐसा कहने से बचते नजर आए और केवल इतना कहा कि फिलिस्तिनियों की चिंताओं को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। इससे पहले भी युद्धविराम पर भारत संयुक्त राष्ट्र में हुए मतदान से दूर रहा था, जबकि बाकधी सभी ब्रिक्स सदस्य देशों ने प्रस्ताव का समर्थन किया था।प्रधानमंत्री मोदी का इजरायल और अमेरिका के लिए झुकाव अब छिपी बात नहीं है। लेकिन उनकी धारणाओं के कारण देश की विदेश नीति गलत राह पर चले या उसकी साख को धक्का लगे, ये सही नहीं है। बेंजामिन नेतन्याहू तो अपना नाम कैसे दर्ज कराएंगे ये तय है। अब श्री मोदी को विचार करना होगा कि वे भारत का परचम विश्वशांति के लिए लहराते हैं या फिर हिंसा और बदले की जुबान बोलने वालों के साथ खड़े होते हैं।

## आत्मघाती दबाव

सर्वोच्च अदालत की वह सारगर्भित टिप्पणी देश के हर अभिभावक की आंख खोलने वाली है कि परिवारों का दबाव व प्रतियोगी परीक्षाओं की भयावह स्पर्धा छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की बड़ी वजह है। निस्संदेह, यह टिप्पणी हमें आत्ममंथन के लिये भी विवश करती है कि बच्चे का इंजीनियर–डॉक्टर बनना जरूरी है या उसका परिवार में सहजता से जीवन–यापन करना। हाल के दिनों में परिवार की उम्मीदों का पहाड़ ढोते छात्रों की आत्महत्याओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। राजस्थान के एक चर्चित शहर के अलावा देश के कई महानगरों में छात्र लगातार कोचिंग के जरिये तकदीर बदलने की उम्मीद से पहुंच रहे हैं। मध्यम व निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों के ये बच्चे अभिभावकों द्वारा किसी तरह जुटाए रुपयों के बूते इन कोचिंग संस्थानों में पढ़ने जाते हैं। लेकिन जब वे इस गलाकाट स्पर्धा में खुद को पिछड़ता पाते हैं तो आत्मघाती कदम उठाने से नहीं चूकते। एक ओर जहां उन्हें यह भय सताता है कि यदि वे असफल हुए तो परिजनों ने पेट काटकर जो पैसे उनकी पढ़ाई में लगाए हैं,कहीं वे जाया न चले जाएं। वहीं उनके डॉक्टर–इंजीनियर न बन पाने के भय का दबाव भी उन पर होता है। यही वजह है कि इस सदी के दूसरे दशक में विद्यार्थियों के आत्मघात के मामलों में सत्तर फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। जिसमें एक बड़े हिस्से लगभग तीस फीसदी की वजह परिवार का दबाव बताया जा रहा है। दरअसल, स्कूल की पढ़ाई खत्म करके सीधे कोचिंग्स संस्थानों में दाखिला लेने वाले ये छात्र पारिवारिक माहौल से दूर एक ऐसे वातावरण में जाते हैं, जहां एकाकी जीवन के अलावा परीक्षाओं में अच्छे अंक लाने का दबाव उन्हें मुश्किल में डाल देता है। कुदरत हर बच्चे को एक विशिष्ट गुण देती है और उसके निमित्त उसकी रुचि के विषय में ही उसे शिक्षा दी जानी चाहिए। जरूरी नहीं है कि हर बच्चे में इंजीनियर व डॉक्टर बनने की क्षमता या गुण हों। लेकिन भेड़ चाल के चलते उसे अरुचिकर विषयों में अध्ययन करने को बाध्य होना पड़ता है। दरअसल, एक चिकित्सक ने शीर्ष अदालत में दायर जनहित याचिका में आरोप लगाया था कि कोचिंग संस्थानों का वातावरण बेहद दबाव डालने वाला होता है। जिससे संवेदनशील व होनहार प्रतिभाएं बेहद दबाव में आकर बिखर जाती हैं। उनका आरोप है कि यह स्थिति संविधान प्रदत्त जीने के अधिकार का अतिक्रमण है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि आखिर बच्चों को कोचिंग संस्थानों में जाने की जरूरत क्यों पड़ती है। हमारे स्कूल–कॉलेज उन्हें इस योग्य बनाने में सक्षम क्यों नहीं हैं। जाहिर है जब स्कूल–कॉलेज उनकी प्रतिभा निखारने व मार्गदर्शन करने में समर्थ नहीं होते तो मजबूरी में छात्रों को कोचिंग संस्थानों की शरण में जाना पड़ता है। जिसकी वजह से देश में अरबों रुपये का कोचिंग का कारोबार फल–फूल रहा है। इन संस्थानों की फीस इतनी अधिक होती है कि निम्न मध्यमवर्गीय व गरीब तबकों के अभिभावक बच्चों को कोचिंग संस्थान भेजने में खुद को असमर्थ महसूस करते हैं। फिर वे अपने भविष्य के लिये रखी जमा पूंजी व बैंकों से महंगा लोन उठाकर किसी तरह इन कोचिंग संस्थानों की फीस चुका पाते हैं। नये शहर में उन्हें रहने व खाने–पीने का खर्च अलग से उठाना पड़ता है। इसके अलावा परिजन भी अपनी महत्वाकांक्षाओं का बोझ छात्रों पर डाल देते हैं। जिसका दबाव कई संवेदनशील छात्रों को तनावग्रस्त कर देता है। अभिभावक व छात्र इस बात पर विचार नहीं करते कि डॉक्टर– इंजीनियर बनने के अलावा भी कैरियर के तमाम क्षेत्र आज मौजूद हैं। तमाम गैर–परंपरागत क्षेत्र में भी उद्यमी छात्र चमकीला कैरियर बना रहे हैं। ऐसे में सरकार व अभिभावकों की तरफ से बच्चों की काउंसलिंग करने की जरूरत है कि वे प्रतियोगिता के किसी दबाव से बिखरने के बजाय भविष्य की नई संभावनाओं पर भी विचार करें। साथ ही छात्रों को यह बताने की जरूरत है कि व्यक्ति को मुश्किल से मानव जीवन मिलता है। छात्रों का आत्मघात समस्या का समाधान नहीं है बल्कि यह अभिभावकों को जीवनभर न भुलाये जाने वाला त्रास दे जाता है। निस्संदेह, यह अभिभावकों के लिये आत्ममंथन का समय है।

## भारत की बढ़ती विशाल जनसंख्या के प्रति अनदेखी

भारत की विशाल जनसँख्या आजकल राजनैतिक गलियारों में खासी चर्चा का विषय बनी हुई है। भारत की बढ़ती जनसंख्या के सन्दर्भ में मशहूर विचारक गार्नर का कहना है कि जनसंख्या किसी भी राज्य के लिए उससे अधिक नहीं होनी चाहिए जितनी साधन संपदा उसके पास है। जनसंख्या किसी देश के लिए तब तक वरदान होती है, जब तक वह अपनी सीमा रेखा के पार ना जाए पार जाने के बाद वह धीरे–धीरे अभिशाप का रूप लेने लगती है। वर्तमान समय में भारत की जनसंख्या चीन के बाद दूसरे नंबर पर है। हमारे सामने अभी जनसंख्या विस्फोट की बड़ी समस्या है। पर विगत 20 वर्षों से पूरे विश्व के उपभोक्ता सामानों के उत्पादक कंपनिया इसे बड़ी पोटेंशियलिटी यानी बड़ी ताकत मानती है,अभी भारत की जनसँख्या अनुमानित 140 करोड के लगभग है पर हिंदुस्तान में 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 121 करोड़ जनसंख्या निवास करती है। यह विश्व की जनसंख्या की 17.4: होती हैद्य स्वतंत्रता प्राप्ति के समय की जनसंख्या 36 करोड़ थी, और आज हम 140 करोड़ से कहीं ऊपर जा चुके हैं। आज के उपभोक्तावादी समय में कोई इसे बड़ी समस्या मानने को तैयार नहीं है। राजनेता वोटो की राजनीती के चलते इस पर मौन साधे बैठे हुए है। इसकी तरफ कोई ध्यान भी देने को राजी नहीं है। मशहूर अर्थशास्त्री माल्थस ने कहा है कि जनसंख्या ज्यामितिय अनुपात में आगे बढ़ती है, और उत्पादन अंक गणित के हिसाब से आगे बढ़ता है। उन्होंने यह कहा है कि जनसंख्या के अत्यधिक बढ़ जाने से उसे महामारी तथा प्राकृतिक विपदा से अपने नियंत्रण में कर लेती है। जनसंख्या के संदर्भ में यह बात सही ही उतरती है। करोना ने पूरी वैश्विक जनसंख्या को जिस तरह अपने संक्रमण में लिया था, और लाखों लोगों को मौत के घाट उतारा। ऐसे में अर्थशास्त्री माल्थस की भारत के सन्दर्भ में भविष्यवाणी सच होती दिखाई देती है। वैसे तो भारत में जनसंख्या के विस्फोट के कई कारण हैं, जिनमें जन्म मृत्यु का असंतुलन, कम उम्र में विवाह, अत्यधिक निरक्षरता,धार्मिक दृष्टिकोण, निर्धनता मनोरंजन के साधनों की कमी, एवं अंधविश्वास हैं। पर आज वैश्विक स्थिति में भारत बड़ी उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियों के लिए एक बहुत बड़ा और सशक्त आर्थिक स्थिति पैदा करने वाला बाजार है। इस बाजार में आधिपत्य जमाने के लिए बड़ी–बड़ी कंपनियां भारत में तेजी से पैर फैलाने की कोशिश कर रही है। भारत तथा विश्व में होने वाले ब्यूटी कॉन्टेस्ट में भारत की सुंदरियों को विश्व का खीताब जिताने के पीछे उपभोक्तावाद संस्कृति का ही बड़ा हाथ है। इसके पीछे सौंदर्य प्रसाधनों को हिंदुस्तान की जनता को ज्यादा से ज्यादा बेचना भी था। आज हिंदुस्तान की 121 करोड़ जनता को रोजमर्रा के सामान बेचने के लिए देशी विदेशी कंपनियों की होड़ लगी हुई है। भारत में सबसे ज्यादा अमेजॉन विदेशी कंपनी द्वारा भारत में ऑनलाइन सामान बेचने का रिकॉर्ड ही बन गया हैद्य आज इतनी बड़ी जनसंख्या को अनाज तथा भोजन बनाने के सामान को लेकर विश्व की दो बड़ी कंपनियां आमने–सामने हो गई हैं। विदेशी कंपनी अमेजन आक्रामक रूप से भारत में अपनी मौजूदगी तथा अस्तित्व को बनाए रखने के लिए तेजी से प्रयासरत है। उसे पूरी आशा है कि वह उभरते हुए मार्केट पर अपना कब्जा बनाए रखेगीद्य वहीं दूसरी तरफ भारत की बहुत बड़ी कंपनी रिलायंस भी ई–कॉमर्स मार्केटिंग में घरेलू सामानों को बेचने पर अमादा है। दोनों बड़ी कंपनियों में आज बहुत बड़े तनाव की स्थिति आ गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेजॉन के साथ रिलायंस कंपनी का भविष्य कानून की लड़ाई के उपरांत ई–कॉमर्स का भविष्य ही निर्धारित होगा। अमेजॉन के संस्थापक जैफ बेजॉस ने अमेजॉन को वैश्विक पैमाने पर रिटेल के धंधे को परिवर्तित करके रख दिया है। पर रिलायंस के मालिक मुकेश अंबानी जो कथित रूप से भारत के सबसे अमीर व्यक्ति हैं। उनका इतिहास भी किसी भी कानूनी अथवा बाजार की लड़ाई में हारने वालों में नहीं रहा है। अब अमेजॉन तथा रिलायंस के सामने मुसीबत खड़ी हो गई है कि दोनों कंपनियों द्वारा भारत की एक भारतीय रिटेल कंपनी फ्यूचर रिटेल ग्रुप के साथ अलग–अलग सौदे किए हैं। यदि भारत की रिलायंस कंपनी को फ्यूचर रिटेल ग्रुप से सौदे की मंजूरी मिल जाती है तो रिलायंस कंपनी को रिटेल में उसकी पहुंच भारत के 420 शहरों में अट्ठारह सौ से 2000 हजार स्टोर तक हो जाएगी। क्योंकि रिलायंस के पास पैसा राजनैतिक ताकतदोनों है,जो कि व्यापार के लिए अति आवश्यक होती। हालांकि ई–कॉमर्स व्यवसाय में रिलायंस कंपनी को अभी बहुत कुछ हासिल करना है, उस उस क्षेत्र में महारत हासिल नहीं है। और यदि अमेजॉन सफल होती है,तो रिलायंस कंपनी को एक बड़ा नुकसान भी झेलना पड़ सकता हैद्य ऐसे में यदि आकलन करें तो भारत की ही उपभोक्तावादी निर्माण कंपनियों को जनसंख्या एक वरदान के रूप में दिखाई देने लगी है, जबकि प्रशासन और शासन के लिए जनसंख्या विस्फोट बहुत बड़ा नकारात्मक पहलू होगा, एवं सारी सुविधाएं मुहैया कराना एक बहुत कठिन कार्य भी हो सकता है, और इससे विकास कार्यो में बड़ी बाधा उत्पन्न होने शर्तिया संभावना है।

## अपना काम कठिन और दूसरों का आसान लगता है

कैसे हो जी, बड़े मजे हैं। आपके तो, बस दिन भर कंप्यूटर पर बैठ कर खट–पिट बटन दबाना पड़ता है। एक हम हैं, जो भाग–भाग कर काम कर रहे हैं। काश हमको भी आप ही के जैसा काम मिल जाता। इस तरह का ताना मारनेवाले लोग आपको हर ऑफिस में मिल जायेंगे। ऐसे लोगों को लगता है कि पूरी दुनिया में केवल हमारा काम ही सबसे कठिन है और हम ही सबसे ज्यादा मेहनती हैं। बाकि तो कंपनी के दामाद हैं और उन्हें कंपनी यूं ही बैठे रहने की सैलरी दे रही है। दरअसल हम में से अधिकतर लोगों को लगता है कि सामने वाले की नौकरी कितनी मजे की है और हमारी कितनी खराब है। लोग डॉक्टर को देख सोचते हैं कि दो–चार दवाइयां परची में लिख देते हैं और कितना सारा रुपया कमा लेते हैं। वे यह नहीं सोचते हैं कि उस परची में वो दो–चार गोलियां कौन–सी लिखनी हैं, इसके लिए उन्होंने कितनी रातें जाग कर पढ़ाई की है। बहुत से लोगों को रिपोर्टर की जॉब भी बड़ी मजेदार लगती है। वे सोचते हैं कि इनके काम तो हाथों–हाथ हो जाते होंगे। इनके तो पूरे परिवार को टॉकीज में मुफ्त में फिल्म देखने को मिलती होगी। सारे फिल्म स्टार्स के ये इंटरव्यू लेते हैं, तो सभी के पर्सनल मोबाइल नंबर इनकी जेब में होंगे। कई बार तो रिपोर्टर और फोटोग्राफर तक झगड़ते हैं। फोटोग्राफर कहता है तुम तो घटना होने के बाद आओ, तो भी काम चल जाता है। जानकारी लेकर खबर लिख लोगे, हमें तो उसी क्षण फोटो के लिए पहुंचना होता है। रिपोर्टर कहता है तुम दो मिनट में फोटो सिस्टम में डाल कर चले जाओगे, हमें तो घंटों शब्दों को पिरो कर दमदार खबर लिखनी होती है। पति को लगता है कि पत्नी घर में खाना बनाने, सोने और टीवी देखने के अलावा करती ही क्या है? पत्नी को लगता है कि पति ऑफिस में बैठे–बैठे दो–चार फाइलें देखने और दोस्तों से गप्पे मारने के अलावा क्या करते हैं? कुल मिला कर सभी को अपना काम कठिन और दूसरों का सरल लगता है, लेकिन सच ठीक इसके विपरीत होता है। यह आपको तब पता चलेगा जब आप अपने साथी का काम एक बार कर के देखें और खुद को आजमाएं। हर पेशे की अपनी खासियत और अपनी कठिनाइयां होती हैं। आप इसे दूर बैठ कर महसूस नहीं कर सकते। इसे एक बार खुद आजमाएं तब बोलें। दूसरों को ताना देना बंद करें। जिस तरह आपको सामने वाले का काम आसान लग रहा है, उसी तरह सामने वाले को भी आपका काम आसान लगता है।

## ममता और गहलोत का गुजरात पर हमला एक राज्य के प्रति नफरत फैलाने के समान है

विपक्षी गठबंधन की ओर से कई नेता प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनने को आतुर तो दिख रहे हैं लेकिन इस पद की गरिमा और सम्मान का उन्हें जरा भी ख्याल नहीं है। प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपशब्द बोलने का ऐसा सिलसिला शुरू हुआ है जोकि दिन पर दिन लोकतंत्र को शर्मसार कर रहा है। देखा जाये तो प्रधानमंत्री को अपशब्द बोलने के अभियान का नेतृत्व कांग्रेस नेता राहुल गांधी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री बनने के लिए देश को जातिवाद की आग में झोंक देने को आतुर दिख रहे राहुल गांधी की नजर में पीएम का मतलब है पनौती मोदी। राजस्थान की एक चुनावी सभा में राहुल गांधी ने जब पीएम शब्द की अपने शब्दों में व्याख्या की तो सभी चौंक गये क्योंकि उनके परिवार से तीन लोग प्रधानमंत्री रह चुके हैं और उनकी माँ सोनिया गांधी भी प्रधानमंत्री बन गयी होतीं यदि उनके विदेशी मूल का मुद्दा ऐन वक्त पर आड़े नहीं आया होता। हम आपको यह भी बता दें कि यह वही राहुल गांधी हैं जिन्होंने डॉ. मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्वकाल के दौरान उनका विधेयक सरेआम फाड़ कर प्रधानमंत्री पद के प्रति अपने असम्मान का खुलेआम प्रकटीकरण किया था। राहुल गांधी मोदी को पनौती कह रहे हैं तो उनकी पार्टी के रिमोट कंट्रोल से संचालित माने जाने वाले अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे प्रधानमंत्री के पिता को सार्वजनिक रूप से अपशब्द कह रहे हैं। प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी की दौड़ में कहीं राहुल और खरगे आगे ना निकल जायें इसके लिए विपक्षी गठबंधन इंडी के घटक दल भी सक्रिय हो गये हैं। अगला चुनाव मोदी बनाम अरविंद केजरीवाल होने का दावा कर रही आम आदमी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पनौतियों का सिकंदर करार देते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल रही है। यह सब देख प्रधानमंत्री पद पाने का सपना काफी अरसे से पाले हुए बैठीं ममता बनर्जी भी सक्रिय हो गयी हैं और भाजपा तथा प्रधानमंत्री पर हमला करते हुए उन्होंने कहा है कि "भारतीय टीम ने इतना अच्छा खेला कि उन्होंने विश्व कप में सभी मैच जीते, सिवाय उस मैच को छोड़कर जिसमें पापी लोगों ने भाग लिया था।श जाहिर है जब विपक्षी पार्टियों के बड़े नेता प्रधानमंत्री के खिलाफ ऐसे उद्गार व्यक्त कर रहे हैं तो उनके कार्यकर्ता और भी आगे जाकर टिप्पणियां करेंगे। इसलिए आप सोशल मीडिया के किसी भी मंच पर चले जाइये

प्रधानमंत्री के खिलाफ अमर्यादित बातें कहने के अभियान का असर आपको वहां पर साफ दिख जायेगा।

देखा जाये तो लोकतंत्र में इस बात में कुछ गलत नहीं है कि कोई राजनीतिज्ञ किसी अन्य राजनीतिज्ञ की नीति और विचारधारा से सहमत नहीं हो और उस आधार पर उसे नापसंद करे और उसका विरोध करे लेकिन देश के प्रधानमंत्री पद पर जो व्यक्ति बैठा है उसके खिलाफ अमर्यादित बातें कहना सर्वथा अनुचित है। यदि प्रधानमंत्री के खिलाफ विरोध भी प्रकट करना है तो उसे ससम्मान किया जाना चाहिए। इसके अलावा जिस तरह प्रधानमंत्री के गृह राज्य गुजरात को निशाना बनाया जा रहा है वह तो और भी गलत है। एक राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का यह कहना एक राज्य के प्रति नफरत फैलाने के समान है कि अगर क्रिकेट विश्व कप का फाइनल मैच कोलकाता या मुंबई में खेला जाता तो भारत जीत जाता। इसके अलावा राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जिस अंदाज में मारवाड़ी और गुजराती शब्द का प्रयोग करते हुए गुजरात पर कटाक्ष किया है वह भी सर्वथा अनुचित है। जिस तरह विपक्ष के नेता गुजरात और गुजरातियों के प्रति अपनी नफरत का इजहार कर रहे हैं उससे उनके उन दावों पर भी सवाल उठता है जिसके तहत वह मुहब्बत की दुकान खोलने का दावा करते हैं। हम आपको बता दें कि राहुल गांधी कई जनसभाओं में कह चुके हैं कि आपकी जेब से पैसा निकाल कर गुजरात के व्यापारियों की जेब में डाला जा रहा है। इसी लाइन को अन्य विपक्षी नेता भी थोड़ा–बहुत घुमा फिराकर दोहराते हैं। यहां सवाल उठता है कि मोदी से नफरत करते करते यह नेता क्यों गुजरात की हर चीज से नफरत करने लगे हैं? देखा जाये तो देश की अर्थव्यवस्था में गुजरात सर्वाधिक योगदान देने वाले राज्यों में शुमार है। महात्मा गांधी और सरदार पटेल का यह प्रदेश अहिंसा और एकता का संदेश देता है। व्यापारिक गतिविधियों का यह केंद्र प्रदेश देशभर के नौजवानों के लिए रोजगार का सबसे बड़ा स्रोत है।

बहरहाल, जो लोग गुजरात, गुजरातियों और वहां स्टेशन पर चाय बेचने से लेकर देश के प्रधानमंत्री पद तक पहुँचने वाले नेता से नफरत का इजहार कर रहे हैं वह दरअसल अपनी खीझ प्रकट कर रहे हैं क्योंकि जीवन ने उन्हें सर्वाधिक अवसर और बेहतर हालात तथा पर्याप्त संसाधन दिये लेकिन वह उसका कभी सदुपयोग नहीं कर पाये। अपने कर्मों की बदौलत अपने राज्य को अंधेरे में धकेलने वाले नेताओं से यदि गुजरात की चकाचौंध नहीं देखी जा रही है तो इसके लिए उन्हें नरेंद्र मोदी को जिम्मेदार बताने की बजाय अपने गिरेबां में झांक कर देखना चाहिए।

## अगले साल लोकसभा चुनावों से पहले यूपी में दो और बड़े चुनावी मुकाबले होने हैं

पांच राज्यों का विधानसभा चुनाव अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया है। अब 03 दिसंबर को नतीजे का इंतजार रहेगा। इसी के साथ हमेशा चुनावी मोड में रहने वाली भारतीय जनता पार्टी लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। समाजवादी पार्टी, बसपा और कांग्रेस का भी ध्यान अब आम चुनाव पर लग गया है। लोकसभा चुनाव के लिए अब छह महीने से भी कम का समय बचा है। ऐसे में राजनैतिक दलों की सक्रियता को गलत भी नहीं कहा जा सकता है, लेकिन तैयारी की रेस में फिलहाल बीजेपी काफी आगे निकलती दिख रही है। उसने अभी से 2024 के लोकसभा चुनाव में जीत के लिए समीकरण साधना और पसीना बहाना शुरू कर दिया है। बीजेपी का सबसे अधिक फोकस 80 लोकसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश पर है, जहां पिछले दो लोकसभा चुनाव में मिली अपार सफलता के बल पर केन्द्र में मोदी सरकार बनना संभव हो पाया था। केंद्र की सत्ता पर काबिज होने की इस लड़ाई के बीच यूपी में दिल्ली और प्रदेश के उच्च सदन के लिए भी चुनावी बिसात सजेगी। बता दें कि राज्यसभा में उत्तर प्रदेश के कोटे की 10 सीटों का कार्यकाल आम चुनाव से पहले 2 अप्रैल, 2024 को खत्म हो जायेगा। वहीं, विधान परिषद में भी विधायक कोटे की 13 सीटें 5 मई को खाली हो जाएंगी। इसलिए, लोकसभा चुनाव की रणनीति बनाने के साथ बीजेपी एवं अन्य दलों को इन सीटों का गुणा–भाग दुरुस्त करना पड़ेगा।

यूपी कोटे की राज्यसभा की जो 10 सीटें खाली हो रही हैं, उसमें फिलहाल 9 सीटों पर भाजपा का कब्जा है। सपा से एक मात्र सीट जया बच्चन की खाली होगी। चुनाव आयोग अगले वर्ष मार्च में इसके लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित कर सकता है। वहीं, विधान परिषद में खाली हो रही 13 सीटों में 10 भाजपा, एक उसके सहयोगी अपना दल और 1–1 सपा और बसपा के पास है। 5 मई के पहले इन सीटों पर भी चुनाव प्रस्तावित है।

बहरहाल, राज्य सभा की जो सीटें रिक्त हो रही हैं उसमें मार्च 2018 में 10 सीटों के लिए हुए राज्यसभा चुनाव में सपा ने जया बच्चन को उतारा था और वह चुनाव जीत गई थीं। साथ ही 2019 के लोकसभा चुनाव के पहले मायावती से दोस्ती का हाथ बढ़ाने की कोशिश में लगी सपा ने बसपा उम्मीदवार भीमराव आंबेडकर को समर्थन दिया था। हालांकि, क्रॉस वोटिंग व संख्या गणित में भाजपा भारी पड़ी और उसने अपने 9 उम्मीदवार जिता लिए थे। सपा से जया बच्चन तो चुनाव जीत गईं, लेकिन बसपा से भीमराव हार गए थे। 2022 के चुनाव के बाद विधानसभा के बदले गणित के चलते इस बार भाजपा के लिए सभी सीटों को बचा पाना मुश्किल होगा, जबकि सपा के पास राज्यसभा में संख्या बढ़ाने का मौका होगा।

बता दें कि विधानसभा की मौजूदा सदस्य संख्या के हिसाब से राज्यसभा से एक प्रत्याशी जिताने के लिए 37 वोट की जरूरत होगी। सपा के पास 109 और रालोद के पास 9 विधायक हैं। ऐसे में 118 विधायकों के साथ सपा कम से कम तीन सीटें जीतने की स्थिति में होगी। सत्तारुढ़ गठबंधन के पास कुल 279 (भाजपा–254, अपना दल (एस)–13, निषाद पार्टी–6, सुभासपा–6) विधायक हैं। ऐसे में 7 सीटों पर उसकी जीत लगभग तय है। इसके अलावा कांग्रेस के पास 2, जनसत्ता दल के पास 2 व बसपा के पास एक विधायक है। जनसत्ता दल का समर्थन आम तौर पर भाजपा को रहता है। पिछले विधान परिषद चुनाव में कांग्रेस व बसपा ने किसी भी दल के प्रत्याशी का समर्थन नहीं किया था। हालांकि, लोकसभा चुनाव के लिए पक्ष और विपक्ष दोनों ओर नए दोस्तों को जोड़ने–तोड़ने की कोशिशें चल रही हैं। ऐसे में चुनाव के समय तक दोस्ती व निष्ठा के टिकने–डिगने के आधार पर संख्या व समीकरण आगे–पीछे हो सकता है।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद में इस समय कांग्रेस का कोई भी सदस्य नहीं है। ऐसा पहली बार हुआ है। पिछले साल जुलाई में कांग्रेस पहली बार यूपी के विधान परिषद में शून्य पर पहुंच गई थी। कांग्रेस की स्थिति में फिलहाल आगे भी सुधार होते नहीं दिख रहा है। यही स्थिति इस बार मई में विधान परिषद में बसपा की भी हो सकती है। वह भी शून्य पर पहुंच जाये तो किसी को आश्चर्य नहीं होगा। उसके पास केवल एक विधायक है और इस आधार पर उसका उम्मीदवार पर्चा भी नहीं भर सकता, क्योंकि नामांकन के लिए भी 10 प्रस्तावक की जरूरत होती है। विधानसभा के मौजूदा गणित के हिसाब से विधान परिषद में एक प्रत्याशी जिताने के लिए 29 विधायकों की जरूरत पड़ेगी। अगर सत्तापक्ष और विपक्ष अपने मौजूदा सभी सहयोगियों को चुनाव होने के समय तक साथ रखने में सफल रहते हैं तो भाजपा गठबंधन कम से कम 9 और सपा–रालोद गठबंधन 4 सीटें जीतने की स्थिति में होगा। इसका एक बड़ा फायदा सपा के लिए यह होगा कि एक बार फिर वह विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष की सीट की दावेदार हो जाएगी। परिषद में अभी उसके 9 सदस्य हैं और नेता प्रतिपक्ष के लिए जरूरी 1/10 सदस्य के मानक से वह एक पीछे है। 5 मई को खाली हो रही सीटों के हिसाब से सपा की सदस्य संख्या घटकर 8 रह जाएगी। सपा के पास अपने 109 विधायक हैं। ऐसे में कम से कम 3 सीट वह अपने दम पर भी जीतने की स्थिति में है। लिहाजा, परिषद में उसका दहाई में जाना तय है और उसे नेता प्रतिपक्ष का पद वापस मिल जाएगा।

भाजपा के जिन राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो रहा है उसमें अनिल अग्रवाल, अशोक वाजपेयी, अनिल जैन, कांता कर्दम, सकलदीप राजभर, जीवीएल नरसिम्हा राव, विजय पाल तोमर, सुधांशु त्रिवेदी, हरनाथ सिंह यादव और सपा की जया बच्चन शामिल हैं। इसी प्रकार विधान परिषद में जिन नेताओं का कार्यकाल खत्म होने वाला है उसमें भाजपा के यशवंत सिंह, विजय बहादुर पाठक, विद्या सागर सोनकर, सरोजनी अग्रवाल, अशोक कटारिया, अशोक धवन, बुक्कल नवाब, महेंद्र कुमार सिंह, मोहसिन रजा, निर्मला पासवान शामिल हैं। वहीं अपना दल (एस) के आशीष पटेल, सपा के नरेश चंद्र उत्तम और बसपा के भीमराव आंबेडकर शामिल हैं।

# गांव की समस्या गांव में समाधान: उखरी में उप मुख्यमंत्री ने लगाई चौपाल

## स्वयं सहायता समूह से स्वावलंबी बनी महिलाये–केशव

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को गांव की समस्या, गांव में समाधान के अन्तर्गत ग्राम उखरी, ब्लाक खुदागंज में शाहजहांपुर में ग्राम चौपाल लगाई। चौपाल में उप मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना। उन्होने ग्राम संगठन और स्वयं सहायता समूह के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया व स्वरोजगार योजनाओं से सम्बन्धित लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को चाबी भेंट कर बधाई दी। इस अवसर पर बाल विकास एवं पुष्टाहार, जल जीवन मिशन, बेसिक शिक्षा, ग्रामोद्योग माटीकला बोर्ड, सूक्ष्म, जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्सान केन्द्र, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, कृषि विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, जिला अग्रणी बैंक एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा अपने उत्पाद को प्रदर्शित करने के लिए स्टाल लगाये गये। आर्गेनिक खेती से उगाये गये फल, सब्जी, अचार मुरब्बे, माटी कला के उत्पाद, जरी जरदोजी उत्पाद, बैंक सखी, विद्युत सखी, बीसी सखी के साथ ही जिला प्रोबेशन,कृषि, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, समाज कल्याण, स्वच्छ भारत मिशन, के विभिन्न योजनाओं से सम्बन्धित स्टाल भी लगाये गये जिसका अवलोकन उप मुख्यमंत्री ने किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से स्टाल भ्रमण के दौरान उनकी आय के बारे में जानकारी ली और उनको बचत करने के लिए प्रेरित करने और बैंक सखी के माध्यम से बैंक में पैसे जमा कराने को प्रोत्साहित किया। चौपाल में उप मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस योजना से महिलाओं को सम्मान भी प्राप्त हुआ है और वे स्वावलम्बी भी बनी है। गरीबों को डीबीटी के माध्यम से योजनाओं के पात्र लाभार्थियों तक सीधे उनके खाते में पैसा भेजा जा रहा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार गांव, गरीब किसान, महिला, नवयुवकों के उत्थान एवं प्रगति के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में अब तक ग्राम चौपालों में 43 लाख 74 हजार लोगो ने सहभाग किया, 2 लाख 80 हजार से अधिक लोगो की शिकायतों का समाधान किया गया।उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन योजना के तहत प्रत्येक घर को हर घर नल योजना से जोड़ने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इससे लोगो को घर घर शुद्ध पेयजल प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा 52 करोड़ से अधिक लोगो का बैंको में खाता खोलने का कार्य किया गया। 13.5 करोड़ लोगो को गरीबी रेखा से बाहर लाने का कार्य, 4 करोड़ लोगो को प्रधानमंत्री आवास देने का कार्य, सोभाग्य योजना में बिजली कनेक्शन, उज्जवला योजना के अन्तर्गत गैस कनेक्शन देने का कार्य किया गया है। उन्होने बताया कि जिले में 62 हजार से अधिक लोगो को प्रधानमंत्री आवास दिया गया है। 3397 अमृत सरोवर का विकास करने का कार्य किया गया। 8 लाख 19 हजार लोगो को आयुष्मान भारत योजना का लाभ गरीबो को दिया गया है। 4 लाख 70 हजार 839 की संख्या में किसानों को 2–2 हजार रू0 डीबीटी के माध्यम से किसान सम्मान निधि की राशि भेजी गयी है। उन्होने प्रधानमंत्री श्रम सम्मान योजना के विषय में भी जानकारी दी और अधिक से अधिक पंजीकरण करवाने हेतु प्रेरित किया तथा अधिकारियों को उक्त योजना हेतु जनजागरूकता एवं व्यापक स्तर पर प्रचार करने को कहा। उन्होने कहा कि पात्रता के आधार पर उज्जवला योजना, आवास योजना, मनरेगा, निःशुल्क राशन, किसान सम्मान निधि सहित अन्य योजनाओं से गरीब पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जा रहा है। मंत्री वित्त एवं संसदीय कार्य सुरेश कुमार खन्ना ने अपने सबोधन में कहा कि हर घर जल योजनान्तर्गत सभी घरों में शुद्ध पेय जल उपलब्ध कराया गया है। शुद्ध पेय जल उपलब्ध घर–घर तक पहुचाने में सड़कों की खुदायी के कारण जो असुबिधा हुयी है उसे जल्द दूर किया जायेगा। उन्होने कहा कि जब तक सभी सड़को के रिस्टोरेशन का कार्य पूर्ण नही हो जाता तब तक भुगतान नही किया जायेगा। उन्होने कहा कि सरकार द्वारा 13.5 करोड़ लोगो को गरीबी रेखा से बाहर लाने का कार्य किया गया है। सरकार द्वारा निरन्तर गरीबों के हित में कार्य किया जा रहा है। उन्होने कहा कि सरकार की सभी योजनाए गरीबो के कल्याण तथा उनके हित के लिये है। कार्यक्रम के दौरान सांसद अरूण कुमार सागर, सांसद राज्य सभा मिथिलेश कुमार, विधायक पुवायां चेतराम, विधायक ददरौल मानवेन्द्र सिंह, विधायक कटरा डा वीर विक्रम सिंह "प्रिंस", विधायक तिलहर सलोना कुशवाहा, विधायक जलालाबाद हरिप्रकाश वर्मा, सदस्य विधान परिषद सुधीर गुप्ता, महापौर अर्चना वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता यादव सहित जनप्रतिनिधि, प्रबुद्धजन तथा शासन–प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

# विज्ञान नगरी में तीन दिवसीय इन्नोवेशन फेस्टिवल का पुरस्कारों के साथ भव्य समापन

लखनऊ। आंचलिक विज्ञान नगरी, लखनऊ में तीन दिनों से चल रहे नवप्रवर्तन महोत्सव–2023 को पुरस्कार वितरण के साथ भव्य समापन हुआ। ती दिवसीय इन्नोवेशन फेस्टिवल का उद्घाटन प्रोफेसर जे0 पी0 पाण्डेय, कुलपति डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय लखनऊ ने किया। वही समापन समारोह के मुख्य अतिथि नरेन्द्र भूशण, आईएएस,प्रमुख सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग उ0प्र0 थे। इस तीन दिवसीय महोत्सव में स्कूल, कालेज और इन्नोवेटर्स ,ने अपने अपने नवाचारी मॉडलों को प्रदर्शित किया। वही इसमें स्कूली बच्चों के लिये रोबोटिक्स की प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी। इस महोत्सव में विभिन्न विद्यालयों और प्रौद्योगिकी संस्थानों के कुल सत्तावन नवाचारी माडलों को प्रदर्शित किया गया। जिनकों देखने के लिये आठ हजार से अधिक स्कूली बच्चे और आम दर्शकों ने इन तीन दिनों में अपनी उपस्थिति दर्ज करायी इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय ने नवप्रर्वतन सेल भौतिकी विभाग के प्रोफेसर राजीव मनोहर ने नवाचार पर लोकप्रिय विज्ञान व्याख्यान दिया। साथ ही जमीनी स्तर पर होने वाले इन्नोवेशन पर विस्तार से चर्चा की। बच्चों को संबोधित करते हुये समापन दिवस के मुख्य अतिथि नरेन्द्र भूशण ने कहा कि बच्चों को प्रश्न पूछने की आदत डालनी चाहिये। नव प्रवर्तन महोत्सव में स्कूल प्रोजेक्ट, कालेज प्रोजेक्ट, इन्नोवेटर्स प्रोजेक्ट और रोबोटिक्स प्रतियोगिता वर्ग के नवाचारी प्रोजक्ट प्रस्तुत किये गये। विजेता प्रतिभागियों को षील्ड प्रमाण–पत्र और नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। तीन दिवसीय नवप्रवर्तन महोत्सव में कबाड़ से जुगाड़, तोड़, फोड़ के जोड, शिक्षकों के लिये इन्नोवेटिव टीचिंग कार्यशाला, एरोमा और कैण्डिल कार्यशाला और फैमिली के लिये इन्नोवेटिव चैलेन्ज जैसे कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया तथा विजेताओ को पुरस्कार व प्रमाण–पत्र प्रदान किये गये। नवप्रर्वतन महोत्सव के सफल समापन पर विज्ञान नगरी के परियोजना समन्वयक एम0 अंसारी ने सभी के आगमन के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया।

# माध्यमिक शिक्षकों का शिक्षा निदेशालय पर 7 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन

## संघर्षो के दम पर पुरानी पेंशन बहाल होगी : चेत नारायण

लखनऊ। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय पर माध्यमिक शिक्षकों का दो दिवसीय धरना जोरदार प्रदर्शन के साथ समाप्त हुआ। शिक्षा निदेशक माध्यमिक महेंद्र देव ने धरना स्थल पर आकर 7 सूत्रीय ज्ञापन लिया और नेताओं को आश्वस्त किया कि जो भी समस्याएं हमसे संबंधित है उसका अविलंब निस्तारण कराया जाएगा और जो समस्याएं सरकार से संबधित है उसे आज ही शासन को संदर्भित कर दिया जाएगा। निदेशक की मौजूदगी में नाराज तदर्थ शिक्षकों ने सरकार विरोधी नारे लगाए और 9 नवम्बर के जारी आदेश को वापस लेने व पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष चेत नारायण सिंह व महामंत्री राम बाबू शास्त्री ने किया।प्रांतीय संरक्षक व एमएलसी राज बहादुर सिंह चंदेल ने कहा कि सरकार कर्मचारी विरोधी नीति अपना रही है जो घातक होगा। शिक्षक संगठन सरकार के अत्याचार को सहन नही करेगी। पुरानी पेंशन योजना सरकार के गले की फांस बन गई है,इसको लागू करना पड़ेगा। सरकार के गलत नीतियों से तदर्थ शिक्षक, वित्तविहीन शिक्षक सभी परेशान है।प्रदेश अध्यक्ष चेत नारायण सिंह ने कहा कि सरकार तदर्थ शिक्षकों की सेवाओं से संबंधित 9 नवम्बर का आदेश हरहाल में वापस ले, नही तो परिणाम गंभीर होंगे। पुरानी पेंशन कर्मचारियों का हक है हम इसे संघर्षो के दम पर वापस लेंगे।प्रांतीय संयोजक आईटी सेल संजय द्विवेदी ने कहा कि प्रदेश का

जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय रिश्वतखोरी का अड्डा बन गया है जिस पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। पुलिस थानों की तरह अब शिक्षा विभाग के कार्यालयों में तैनाती की बोली लग रही है। प्रदेश के तदर्थ व वित्तविहीन शिक्षकों की पीड़ा असहनीय हो गई है।सरकार एनपी एस के भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच कराए और दोषी अधिकारी कर्मचारी को जेल भेजे। धरने की लवकुश मिश्रा, मेजर डा.देवेंद्र सिंह,संजय द्विवेदी, नरसिंह बहादुर सिंह, महेश राम, रामानन्द द्विवेदी, स्वराज पाल दुहण, सुलेखा जैन, महेश चन्द्र यादव,महेश शर्मा, मनोज सिंह, सुधाकर सिंह, अरुण सिंह, सुरेश तिवारी, राजेश सिंह, श्रवण तिवारी, जय प्रकाश सिंह, अजय प्रकाश सिंह, राम प्रकाश सिंह, दिनेश सिंह, अरविंद कुमार, हरिकेश यादव, त्रिभुवन सिंह, राजेश भारद्वाज, जनार्दन सिंह, विनोद मिश्रा, धीरेंद्र प्रताप सिंह ,प्रेम सिंह, रंजीत सिंह, अखिलेश प्रताप सिंह, शैलेश सिंह, डा.राकेश सिंह, राममोहन सिंह, सतीश सिंह, धननंजय सिंह, अमरेंद्र कुमार, राजेश राय,ज्योतिष पांडेय, गिरिजानंद यादव, गुलाब चंद्र मौर्य, राम विलास चौधरी, राणा प्रताप सिंह, सत्येंद्र सिंह, राजेश चौधरी, शशि प्रकाश मिश्रा सहित हजारों लोग उपस्थित थे।

# कक्षा चार के छात्र के साथ कुकर्म, पुलिस ने घटनास्थल की करवाई वीडियो रिकॉर्डिंग, रिपोर्ट दर्ज

बांदा। जिले के तिंदवारी थाना क्षेत्र में कक्षा चार के छात्र (9) के साथ कुकर्म की घटना सामने आई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की वीडियो रिकॉर्डिंग करवाई है। पिता की तहरीर पर कुकर्म समेत पास्को एक्ट में रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस जांच में जुट गई है। थाना क्षेत्र के एक गांव में बुधवार शाम पांच बजे स्कूल से छुट्टी के बाद कक्षा चार का छात्र मैदान में खेल रहा था। इसी दौरान पड़ोसी अविवाहित 20 वर्षीय युवक बेर व टॉफी दिलाने के बहाने उसे खेत ले गया। झाड़ियों की आड़ में बच्चे को ले जाकर कुकर्म करने लगा। बच्चे के रोने पर आरोपी ने बच्चे को दो–तीन थप्पड़ जड़े और मुंह दबाकर कुकर्म किया। बुलेट बाइक के आने की आवाज पर आरोपी बच्चे को छोड़कर देखने लगा। इसी बीच आरोपी के चंगुल से छूटकर छात्र खेत में बुआई कर रहे पिता के पास पहुंचा। यहां उसने बिलख–बिलख कर दास्तां बयां की। पिता की सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी कौशल सिंह ने घटनास्थल का मुआयना कर उसकी वीडियो रिकॉर्डिंग करवाई। आरोपी दूलीचंद्र किशोरावस्था में महिला से छेड़छाड़ मामले में जेल जा चुका है। थाना प्रभारी ने बताया कि पिता की तहरीर पर आरोपी दूलीचंद्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी दूलीचंद्र दो वर्ष पूर्व भी एक महिला से छेड़छाड़ मामले में जेल जा चुका है।

# मीरजापुर में छात्रों ने खुद जांची पानी की गुणवत्ता, रंगोली सजाकर दिया संरक्षण का संदेश दिया

लखनऊ। प्रदेश के मीरजापुर में गुरुवार को जल ज्ञान यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का आयोजन नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल पर जल जीवन मिशन के तहत

किया गया। स्कूली छात्र–छात्राओं को सुमतियां ग्राम पेयजल योजना का भ्रमण कराया गया। यहां उन्हें ओवर हैड टैंक दिखाया गया। बच्चों ने ग्रामीण परिवारों को पहुंचाई जा रही पानी सप्लाई की प्रक्रिया देखी। छात्रों ने जल जांच प्रयोगशाला में पानी की गुणवत्ता को खुद जांचकर देखा और जल जीवन मिशन से ग्रामीणों को मिल रही स्वच्छ पेयजल के लाभ की जानकारी हासिल की। मीरजापुर में आयोजित जल ज्ञान यात्रा को जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर एडीएम नमामि गंगे देवेंद्र प्रताप सिंह, अधिशासी अभियंता राजेन्ध्र कुमार मौजूद रहे। डीएम प्रियंका निरंजन ने छात्रों को जल के महत्व के साथ हर घर जल योजना से ग्रामीण परिवारों के जीवन में आए बदलाव की जानकारी दी। छात्रों ने जिलाधिकारी के साथ सेल्फी लेकर जल ज्ञान यात्रा को यादगार बना दिया। स्कूली बच्चों को जल निगम (ग्रामीण) प्रयोगशाला में जल नमूनों की जांच करके दिखाई गई। विशेषज्ञों ने छात्रों को इस बारे में बताया कि पानी में कितने तरह की अशुद्धियां पाई जाती हैं और उन्हें कैसे दूर किया जाता है। बच्चों को पानी में क्लोरीन की उपयोगिता भी बताई गई। स्कूली बच्चों के लिए अपने हाथों से पानी गुणवत्ता की जांच करना एक नया अनुभव था, जिसे लेकर वे काफी उत्साहित दिखे। स्ध्कूली बच्चों ने रंगोली के माध्यम से हर घर जल योजना से बदलते गांव की तस्वीर दिखाई। जल है तो कल है, जल ही जीवन है। जैसे स्लोगन के जरिए समाज को जल संरक्षण का संदेश भी दिया। नुक्कड़–नाटक के माध्यम से जल संचयन और जल संरक्षण के प्रति स्कूली बच्चों को जागरूक किया गया। स्कूली बच्चों के लिए जल जागरूकता पर आधारित निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। इसमें बच्चों ने पूरे उत्साह से भाग लिया और पानी की उपयोगिता पर निबंध लिखे।

# गन्ने की पत्तियां जलाने पर किसानों को नहीं मिलेंगी पर्चियां

लखनऊ। गन्ने की पत्तियां जलाने वाले किसानों को उसकी बिक्री के लिए पर्चियां नहीं दी जाएंगी। एनसीआर समेत प्रदेश के सभी जिलों में पराली जलाने की घटना पर कड़ाई से रोक लगाने को कहा गया है। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने मंडलायुक्तों व जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के के लिए छूट का प्रावधान किया गया है। डीएम सब स्टेशनवार योजना की समीक्षा करें और अच्छा काम करने वालों को प्रोत्साहित करें। आगामी ग्रीष्मकाल में निर्धारित समय–सारिणी में निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने के लिए ट्रांसफार्मरों की क्षमतावृद्धि और जर्जर तारों के बदलने के लिए लगभग 5000

दौरान यह निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि पराली या कूड़ा जलने की घटना पर रोक के लिए जिला व पुलिस प्रशासन लगातार सक्रिय रहे। जहां भी घटनाएं हो वहां संबंधित कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। दो एकड़ से कम क्षेत्र के लिए 2500 रुपये, दो से पांच एकड़ क्षेत्र के लिए 5000 और पांच एकड़ से अधिक क्षेत्र के लिए 15000 रुपये का अर्थदंड लगाया जाए। दुबारा पकड़े जाने वालों पर जुर्माने की राशि बढ़ाई जाए। इसे अनिवार्य रूप से वसूला भी जाए। उन्होंने कहा कि विद्युत विभाग द्वारा एकमुश्त समाधान योजना ओटीएस में सभी श्रेणियों घरेलू, वाणिज्यिक, निजी संस्थान, निजी नलकूप व औद्योगिक उपभोक्ताओं करोड़ रुपये के कामों की स्वीकृति प्रदान की गई है। कामों को फरवरी 2024 तक पूरा कराया जाए।मुख्य सचिव को राजस्व विभाग की समीक्षा में बताया गया कि प्रदेश के सभी 90866 गांवों का ड्रोन सर्वे कराया जा चुका है। सर्वे के बाद 82008 गांवों के मानचित्र–एक सर्वे ऑफ इंडिया से प्राप्त हुए, इनमें से 78866 गांवों को स्थलीय पड़ताल के बाद वापस किया जा चुका है। अब तक कुल 7253004 घरौनियां तैयार हो चुकी हैं। प्रदेश में 24 अप्रैल–2023 तक 5514969 घरौनियां बांटी जा चुकी हैं। मौजूदा समय 1738035 नई घरौनियां बांटने के लिए तैयार हैं। उन्हें बताया गया कि 31 जुलाई तक के निर्विवादित वरासत के शत–प्रतिशत निस्तारित किया जा चुका है।

# कर निर्धारण में लाखों का घपला, नपेंगे कई अफसर,शासन को भेजी गई रिपोर्ट

लखनऊ। नगर निगम के जोन 8 के कर्मचारियों, अधिकारियों ने ट्रांसपोर्ट नगर में कर निर्धारण में बड़ा घपला किया है। महापौर

सुषमा खरकवाल की ओर से कराई गई जांच में केवल एक बिल्डिंग के कर निर्धारण में 16 लाख रुपए की गड़बड़ी पकड़ी गई है। आज गुरुवार को सदन की बैठक में मेयर ने खुद नगर आयुक्त से सदन में इसकी रिपोर्ट रखने को कहा। उन्होंने कहा कि गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है, सदन को बताया जाए।नगर आयुक्त ने सदन को बताया कि ट्रांसपोर्ट नगर में बिल्डिंग के कर निर्धारण में गड़बड़ी से नगर निगम को भारी आर्थिक क्षति हुई है। बिल्डिंग की जांच में 16 लाख रुपए की टैक्स की गड़बड़ी पकड़ी गई है। इस मामले में निगम के टैक्स इंस्पेक्टर सौरभ त्रिपाठी तथा कर अधीक्षक संतोष गुप्ता दोषी पाए गए हैं। इसके अलावा दो अन्य कर्मचारी भी दोषी मिले हैं। नगर आयुक्त ने बताया कि इन सबके खिलाफ कार्रवाई के लिए शासन को रिपोर्ट भेजी गई है। इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई होगी। पार्षदों ने भी कहा कि जोन 8 में कर निर्धारण में बड़े पैमाने गड़बड़ी की जा रही है। यहां के अफसर तथा टैक्स इंस्पेक्टर मिलकर बिल्डिंग के कर निर्धारण में गड़बड़ी कर रहे हैं। जिससे नगर निगम को भारी आर्थिक क्षति हो रही है।

# राष्ट्रीय सीनियर आट्या–पाट्या चौंपियनशिप के लिए उत्तर प्रदेश की टीम तैयार

## राहुल कुमार गौतम को पुरुष टीम एवं अंतिमा कुमारी को महिला टीम की कमान

लखनऊ। चेन्नई (तमिलनाडु) में होने वाली 36वीं पुरुष व 32वीं महिला राष्ट्रीय सीनियर आट्या–पाट्या चौंपियनशिप के लिए उत्तर प्रदेश टीम की घोषणा गुरुवार को कर दी गई। चयनित उत्तर पुरुष टीम का कप्तान प्रयागराज के राहुल कुमार गौतम और महिला टीम का कप्तान अयोध्या की अंतिमा कुमारी को बनाया गया है। टीम की रवानगी से पूर्व गुरुवार को लखनऊ के निजी होटल में आयोजित विदाई समारोह आयोजित किया गया। चयनित टीम 24 नवंबर को चेन्नई के लिए रवाना होगी। आज समारोह के मुख्य अतिथि लखनऊ ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव आनंद किशोर पाण्डेय (निदेशक, स्पोर्ट्स नेटवर्क इंडिया) और विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश आट्या–पाट्या एसोसिएशन के अध्यक्ष टीपी हवेलिया ने चयनित खिलाड़ियों को किट प्रदान करते हुए उनको सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। उत्तर प्रदेश आट्या–पाट्या एसोसिएशन के सचिव यूजिन पाल ने बताया कि 36वीं पुरुष व 32वीं महिला राष्ट्रीय सीनियर आट्या–पाट्या चौंपियनशिप आगामी 26 से 29 नवंबर 2023 तक तमिलनाडु के चेन्नई में होगी। समारोह की अध्यक्षता लखनऊ आट्या–पाट्या एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप गुप्ता (समाजसेवी) ने की। बताते चले कि आट्या–पाट्या भारत का एक पारंपरिक खेल है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक लोकप्रिय है। अपेक्षाकृत छोटे क्षेत्र में होने वाले इस खेल में किसी उपकरण की जरुरत नहीं होती है।

# डीएम ने ली जिला आयुष समिति की बैठक

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप जनपद वासियों को आयुष मिशन के कार्यक्रमों का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से जिला आयुष समिति तथा नकली, भ्रामक एवं मिलावटी आयुर्वेदिक व यूनानी औषधियों के विक्रय पर अंकुश लगाए जाने के उद्देश्य से गठित समिति की गुरुवार को डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक संपन्न हुई। डीएम नें जिला आयुष समिति की बैठक की समीक्षा करते हुए कहा कि आयुष के तहत नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए शासन संकल्पित है। उप्र शासन द्वारा जनपद में जो आयुष मिशन के कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं, उनका व्यापक प्रचार प्रसार सुनिश्चित कराया जाए, ताकि जनपद के अधिक से अधिक लोग आयुष मिशन के कार्यक्रमों का लाभ उठा सकें एवं जनपद में संचालित योग वैलनेस सेंटर का मानकों के अनुरूप संचालन करते हुए अधिक से अधिक लोगों को योग के लिए प्रेरित किया जाए। डीएम ने बैठक में यह भी निर्देश दिए कि जनपद में नकली, भ्रामक एवं मिलावटी आयुर्वेदिक यूनानी औषधियां के विक्रय पर रोकथाम लगाने के लिए व्यापक जांच अभियान संचालित किया जाए, और यदि कोई भी नकली या भ्रामक, मिलावटी औषधियों का विक्रय करते पाया जाता है तो संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाए। बैठक में डीएम ने हर्बल गार्डेन की स्थापना, रखरखाव, आईईसी लिफलेट्स, मुफ्तनिधि कंटीजेंसी, जिले में आयुर्वेद विभाग द्वारा संचालित 14 हेल्थ वेलनेस सेंटर एवं चार योग वैलनेस सेंटर, होम्योपैथिक विभाग द्वारा संचालित तीन हेल्थ वेलनेस सेंटर की समीक्षा करके जरूरी निर्देश दिए। बैठक में क्षेत्रीय यूनानी एवं आयुर्वेद अधिकारी डॉ हरवंश कुमार, जिला होम्योपैथिक अधिकारी डॉ शैलेश प्रताप सिंह, प्रांतीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी सेवा संघ शाखा लखीमपुर अध्यक्ष डॉ डालचंद, औषधि निरीक्षक सुनील रावत एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

# मिड डे मील की तर्ज पर आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को मिलेगा हॉट कुक्ड फूड : डीएम

लखीमपुर खीरी। गुरुवार को बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग, लखीमपुर खीरी के तत्वावधान में हॉट कुक्ड मील योजना के क्रियान्वयन के लिए डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में कन्वर्जेस विभागों का अभिमुखीकरण कार्यशाला आयोजित हुई। डीएम ने कहा कि यह शासन की महत्वाकांक्षी योजना है और इसे जनपद में बेहतर ढंग से लागू करना है। कहीं से किसी प्रकार की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। जनपद में इस योजना के बेहतर परिणाम आने चाहिए। मिड डे मील की तरह आंगनवाड़ी केंद्रों में भी पंजीकृत बच्चों को हॉट कुक्ड मील योजना के तहत गर्म एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा, कि हॉट कुक्ड मील योजना के तहत जिले में 3478 आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत 03 से 06 वर्ष के बच्चे पीएम पोषण योजना के मेन्यू की भांति गर्म पके भोजन से लाभान्वित होंगे। जिन विद्यालय परिसरों में आंगनबाड़ी केंद्र स्थापित हैं, उन विद्यालयों के रसोई घरों में हॉट कुक्ड मील तैयार किया जाएगा और जो आंगनवाड़ी केंद्र विद्यालय की परिधि से 200 मीटर अथवा उससे अधिक फासले पर हैं उन केंद्रो में आंगनवाड़ी सहायिका द्वारा हॉट कुक्ड मिल तैयार कर बच्चों

को उपलब्ध कराया जाएगा। सभी सर्वसंबंधित कार्मिकों को निर्देशित किया कि उक्त योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए तैयारी कर लें, ताकि सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संपन्न कराई जा सकें।कार्यक्रम की शुरुआत में जिला कार्यक्रम अधिकारी भारत प्रसाद ने हॉट कुक्ड मील योजना की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता बताइ। इस अवसर पर बीएसए प्रवीण तिवारी, अपर जिला पंचायत राज अधिकारी, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी अवधेद्र प्रताप सिंह, सभी बीईओ, सीडीपीओ सुपरवाइजर मौजूद रहे।

डीएम ने कहा कि जिले के 2751 को–लोकेटेड आंगनबाड़ी केन्द्रों में प्राथमिक व यूपीएस के निकट स्थित किचन में रसोईये द्वारा हॉट कुक्ड फूड तैयार कर बच्चों को उपलब्ध कराया जाए। 200 मीटर की परिधि में स्थित आंगनबाड़ी केन्द्रों को समीपस्थ प्राथमिक विद्यालय से सम्बद्ध किया जाए। तैयार कुक्ड मील को आंगनबाड़ी केन्द्र तक पहुंचाने व बच्चों को वितरित व परोसने का दायित्व आंगनवाड़ी सहायिकाओं को दिया जाए। वही 727 नॉन लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों में सहायिकाओं के द्वारा मिड डे मील के मीनू के अनुसार हॉट कुक्ड भोजन तैयार किया जाएगा।

# पुलिस ने गुमशुदा दो नाबालिग बालिकाओं को 15 घण्टे के अन्दर सकुशल बरामद किया

लखीमपुर खीरी। 22 नवंबर 2023 को रात्रि 08.30 बजे थाना पलिया पर सूचना प्राप्त हुई कि 02 चचेरी बहने उम्र क्रमशः 15 वर्ष व 06 वर्ष एक साथ बिजौरिया फार्म थाना पलिया क्षेत्र से लापता हो गई हैं। इस सूचना पर थाना पलिया पर तत्काल मु0अ0सं0 392/23 धारा 363 बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया। दो नाबालिग बच्चियों के एक साथ गुमशुदा होने का संज्ञान तत्काल पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाहा द्वारा लिया गया एवं प्रभारी निरीक्षक पलिया के नेतृत्व में 03 टीम गठित कर शीघ्र सकुशल बरामदगी हेतु निर्देश दिये गये थे। उक्त निर्देश के क्रम में गठित टीम द्वारा अथक प्रयास करके ऑपरेशन दृष्टि के तहत स्थापित किये गये सीसीटीवी कैमरों एवं अन्य सार्थक प्रयासों के द्वारा दोनों नाबालिग बच्चियों को मात्र 15 घण्टे के अन्दर सकुशल बरामद कर उनके परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। शीघ्र सकुशल बरामदगी होने के कारण परिजनों ने पुलिस का आभार जताया।

# अवैध तमंचा कारतूस के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी। अपराध की रोकथाम व अवैध शस्त्रों के निर्माण, परिवहन बिक्री पर अंकुश लगाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरूवार को थाना ईसानगर पुलिस द्वारा ग्राम रौशनीपुरवा से एक अदद देशी तमंचा 315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ एक नफर अभियुक्त हनीफ पुत्र जाबिर निवासी ग्राम रौशनीपुरवा मजरा रायपुर थाना ईसानगर जनपद खीरी को गिरफ्तार कर अभियुक्त के विरूद्ध मु0अ0सं0 474/2023 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर जेल भेज दिया गया।

# 21 बेटियों का 25 को होगा सामूहिक विवाह

## रामाधीन सिंह उत्सव लान बाबूगंज में होगा बिटिया विवाह उत्सव

लखनऊ। बिटिया फाउंडेसन एवं व्यापारी समाज द्वारा 21 बेटियों का सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन 25 नवम्बर दिन शनिवार को रामाधीन सिंह उत्सव लान बाबूगंज में किया जाएगा। बिटिया फाउंडेसन के अध्यक्ष मनीष गुप्ता ने बताया कि विवाह की शुरुआत शाम छह बजे बारात आगमन व स्वागत से होगी। रात आठ बजे सामूहिक जयमाला और अगले दिन 26 नवम्बर को प्रातरू विदाई होगी। इस मौके पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों कथक, राधा कृष्ण लीला, फूलों की होली का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक व महापौर सुषमा खर्कवाल हैं। उन्होंने बताया कि बिटिया विवाह उत्सव में हजारों की संख्या में लोग शामिल होंगे। जिसकी तैयारियां तेजी से चल रही हैं।

# मुरादाबाद में हुई आप की लोकतंत्र बचाओ रैली

## सच्चाई को डराया व चुप नहीं कराया जा सकता–इमरान हुसैन
## भाजपा ईडी और सीबीआई के जरिये जीतना चाहती चुनाव–दिलीप
## लोकतंत्र बचाने के लिए कार्यकर्ता जेल जाने को रहे तैयार–सभाजीत

लखनऊ,(यूएनएस)। आम आदमी पार्टी ने मुराबाद में लोकतंत्र बचाओ रैली का आयोजन किया। इस मौके पर मोदी सरकार के भ्रष्टाचार और उसकी खामियों को उजागर किया गया। रैली में दिल्ली सरकार के मंत्रियों ने शिरकत की। रैली में कहा कि गया कि हमें अपने वोट की ताकत पहचाननी होगी, लोकतंत्र को तभी मजबूत किया जा सकता है जब आप अपने वोट की कीमत पहचानेगें. मोदी सरकार ने मणिपुर में अत्याचार किया। काले कानून के जरिये कई किसानों को मरने के लिए मजबूर किया गया। संजय सिंह ने अडानी–अंबानी और मोदी सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर किया तो उनको जेल भेज दिया गया। आपको आने वाले लोकसभा चुनाव में ऐसी पार्टी को चुनना है जो देश का भला कर सके। न कि ऐसी पार्टी को जो जाति–धर्म व संप्रदाय में बांट कर लोगों को अलग करती है। बांटने और वोट लेने की राजनीति करती है। रैली में बड़ी संख्या में कार्यकता व आम आनजता जुड़ी थी। हजारों लोग लोकतंत्र बचाओ रैली में संजय सिंह की रिहाई की आवाज उठाते दिखेमदिल्ली सरकार के काबीना मंत्री इमरान हुसैन ने कहा कि रातों–रात प्रशासन की मनमर्जी के चलते स्थान बदला गया लेकिन उसके बावजूद भारी संख्या में लोकतंत्र बचाओ रैली में बड़ी संख्या में लोग जुड़े हैं। सच्चाई को डराया व चुप नहीं कराया जा सकता। संजय सिंह को आज पूरे देश के अंदर अपार जनसमर्थन मिल रहा है क्योंकि संजय सिंह ने हमेशा सच्चाई की बात रखी। श्री सिंह हर मजलूम, गरीब, युवा, किसान की आवाज बने और उनकी आवाज को संसद को बराबर में उठाते रहे। श्री हुसैन ने कहा कि भाजपा जानती है कि केजरीवाल, संजय सिंह के रहते हुए चुनाव जीतना आसान नहीं है, इसीलिए भाजपा उनको जेल भेज रही है और केजरीवाल को भी जेल भेजने की साजिश रच रही है। उन्होंने कहा कि सत्येंद्र जैन, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह जेल में हैं लेकिन उनकी आवाज आज हर कार्यकता बना हुआ है। आप के मुख्य सचेतक विधायक दिलीप पांडेय' ने कहा कि उनके नेता केजरीवाल का मानना है कि लोकतंत्र का मतलब यह है कि हम पांच साल में जिसको चुनते हैं उससे हमें हमेशा सवाल पूछने की ताकत होनी चाहिए और अच्छा नेता वही है जो इन सबके सवालों का जवाब दे। इस मौके पर आप के प्रदेश अध यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा कि पिछले दो दिनों से हम लोगों को प्रशासन परेशान कर रहा है। रात को साढ़े 11 बजे कार्यक्रम की अनुमति मिली। लेकिन इतनी अल्प नोटिस के बावजूद भारी संख्या में जिस तरह आम जनता का समर्थन हमें मिल रहा है। श्री सिंह ने कहा कि आज प्रदेश और देश दोनों जगहों पर आवाज दबाने का काम किया जा रहा है।

# सीतापुर में रसूलपुर ग्वारी राजापुर इसरौली-चकदहा मार्ग का होगा चौड़ीकरण

## मार्ग के बनने से गन्ना किसानों को बडी राहत मिलेगी,–जितिन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण जितिन प्रसाद ने त्वरित कार्यवाही करतेहुये सीतापुर में रसूलपुर– ग्वारी– राजापुर– इसरौली–चकदहा मार्ग के चौडीकरण व सुदृढीकरण हेतु 2917.54 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की तथा कार्य तत्परता से कराने हेतु 1021.14 लाख प्रथम किश्त के रूप में अवमुक्त की है। जितिन प्रसाद ने बताया कि रसूलपुर से ग्वारी मार्ग के चौडीकरण व सुदृढीकरण होने से गन्ना किसानों को बहुत बडी राहत मिलेगी तथा होने वाली दुर्घघनाओं पर अंकुश लग सकेगा। इसके अतिरिक्त स्कूली बच्चों तथा उच्च शिक्षण प्राप्त करने हेतु बिसवाँ व महमूदाबाद जाने में विद्यार्थियों को सुविधा होगी तथा अन्य काश्तकारों को भी अपनी फसल बिसवॉ एवं महमूदाबाद मण्डी तक ले जाने में सहूलित होगी। लोक निर्माण मंत्री ने बताया कि मार्ग पर बाबा कामेश्वर महादेव मन्दिर भी स्थित है तथा म्योढी सेवलिया पर स्थानीय मेले का प्रतिवर्षआयोजन भी होता है, जिसमें भारी संख्या में श्रद्वालुओं का आवागमन रहता है। मार्ग के चौडीकरण एवं सुदृढीकरण हो जाने से उक्त स्थलों पर आने वाले श्रद्वालुओं को सर्वऋतु सुलभ मार्ग उपलब्ध हो जायेगा तथा मार्ग पर पुलियों के निर्माण होने से जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी एवं जलभराव से होने वाली दुर्घटनाओं से भी निजात मिलेगी। रसूलपुर –ग्वारी –राजापुर –इसरौली –चकदहा मार्ग कीचौडाई 3 मी0 होने के कारण बडे वाहनों को आवागमन में काफी कठिनाईयों का सामना करना पडता है तथा सडक की चौडाई कम होने से दुर्घटनाओं की प्रबल सम्भावना बनी रहती है। इस मार्ग पर मुख्यतः रसूलपुर, हलीमनगर, खारेहती,ग्वारी, जंगलपुरवा, सुजातपुर, माधवपुर एवं मियांपुरवा सहित अन्य कई ग्राम पड़ते है। यह क्षेत्र गन्ना बाहुल्य क्षेत्र है तथा मार्ग पर कई गन्ना क्रय केन्द्र भी स्थित है। क्षेत्र से गन्ने से लदी ट्रालियाँ व ट्रकबिसवाँ व महमूदाबाद चीनी मिलों को जाती है।

# नोएडा के फार्म हाउस में अवैध शराब के प्रकरण में बड़ी कार्यवाही

## बिना लाइसेंस के अवैध शराब पिलाते हुए इवेंट मैनेजर गिरफ्तार, अवैध विदेशी मदिरा बरामद

### 06 अभियुक्तों के विरुद्ध दर्ज कराई गई एफआईआर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के क्रम में प्रदेश में अवैध ा शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध कठोर कार्यवाही किये जाने हेतु लगातार चेकिंग एवं छापेमारी की कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आबकारी आयुक्त सेंथिल पांडियन सी, ने बताया कि 22 नवम्बर को

गौतमबुद्धनगर की आबकारी एवं पुलिस कीसंयुक्त टीम द्वारा सेक्टर–135 स्थित यमुना पुश्ते के पास कांतम फार्महाउस में आयोजित एक समारोह में बिना वैध लाइसेंस के अवैध रूप से हरियाणा राज्य में बिक्री हेतु अनुमन्य शराब पिलाते हुए इवेंट मैनेजर सहित 04व्यक्तियों को मौके से गिरफ्तार किया गया।आबकारी आयुक्त ने बताया कि मौके से हरियाणा राज्य में बिक्री हेतुअनुमन्य विदेशी मदिरा की कुल 54 बोतल भरी हुई व 4 बोतल खाली एवं बियर की 18 बोतल भरी एवं 8 बोतल खाली बरामद की गई । मौके पर पकड़े गए अभियुक्तोंद्वारा बताया गया कि कांतम फार्म हाउस की स्वामिनी द्वारा यह आयोजन कियागया था तथा यमुना पुश्ते पर स्थित हरियाणा की दुकान से इस फार्म हाउस परअवैध शराब सस्ते व कम मूल्य पर उपलब्ध कराई गई थी। मौके पर पकड़े गए चारोंअभियुक्तों एवं फार्म हाउस की स्वामिनी एवं यमुना पुश्ते पर स्थितहरियाणा की शराब दुकान के मालिक के विरुद्ध थाना सेक्टर 135 में आबकारीअधिनियम एवं आई.पी. सी. की सुसंगतधाराओं के अन्तर्गत एफ.आई.आर. दर्जकराते हुए गिरफ्तार चारों अभियुक्तों को जेल भेजा गया।आबकारी आयुक्त ने बताया कि माह नवम्बर में अब तक अवैध ा शराबके निर्माण एवं बिक्री के विरूद्ध 54,251 छापे डाले गये। इन छापोंमें विभाग द्वारा 6,078 मुकदमें पंजीकृत किये गये, जिसके अन्तर्गत1.52 लाख बल्क ली. अवैध ा शराब की बरामदगी की गयी। अवैध शराब के कारोबारमें संलिप्त 1,724 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध आबकारी अधिनियम के साथ–साथ आई.पी.सी. की सुसंगत धाराओं में कठोर कार्यवाही करायी गई। इस दौरान तस्करी में प्रयुक्त 16 वाहन भी जब्त किये गये।आबकारी आयुक्त द्वारा बताया गया कि अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री विरूद्ध छापेमारी की कार्यवाही निरन्तर जारी रहेगी तथा इन कार्योंमें संलिप्त लोगों के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही की जायेगी। प्रदेश केसीमावर्ती जनपदों में गैर प्रान्तों से तस्करी के सम्भावित सभी मार्गों पर चौकसी बरतते हुए लगातार रोड चेकिंग कराई जा रही है। इसके साथ हीआबकारी दुकानों पर नियमित चेकिंग की कार्यवाही भी कराई जा रही है। प्रदेश में ऐसे रेस्टोरेन्ट मैरिज हाल जिनके द्वारा बिना ओकेजनल बार लाइसेंसप्राप्त किये शराब परोसे जाने की शिकायत अथवा प्रकरण संज्ञान में आने पर रेस्टोरेन्ट तथा रेस्टोरेन्ट के मालिक के विरुद्ध कठोर कार्यवाही किये जाने के भी निर्देश क्षेत्रीय अधिकारियों को दिये गये हैं।अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी के संबंध में जन सामान्यसे सूचनायें प्राप्त करने के लिये आबकारी मुख्यालय, प्रयागराज में टोलफ्री नम्बर 14405 और व्हाट्सएप नंबर 9454466019 कार्यरत है, जो 24 घण्टे क्रियाशील है।

# फसलों को नष्ट कर रहे आवारा पशु,ग्रामीणों ने प्रधान और सचिव पर लगाया आरोप

बांदा। एक ओर प्रदेश सरकार आवारा जानवरों से किसानों की फसल बचाने के लिए पानी की तरह रुपये बहा रही है। गोशालाओं का निर्माण कर रही है। वहीं दूसरी ओर ग्राम प्रधान व सचिव रुपए का बंदर बांट कर रहे हैं। जिसकी वजह से किसानों को लाभ नहीं मिल पा रहा है। गुस्साए ग्रामीण अब प्रधान और सचिव पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। आपको बता दें कि यह पूरा मामला जनपद बांदा के नरैनी तहसील के जरर गांव का है। जहां सरकार द्वारा गोशाला का रुपया पास हुआ, लेकिन गोशाला बनाने के नाम पर मानों मजाक किया जा रहा है। गांव वालों ने बताया कि एक–एक फीट पर एंगल गाड़ दिए गए हैं। चारों ओर पतली सी जाली लगा दी गई है। गांव में करीब 1000 से ज्यादा अन्ना जानवर हैं। जब इन जानवरों को गोशाला में रखा जाएगा तो 24 घंटे में ही वह जाली तोड़कर बाहर आ जाएंगे।ऐसे में गोशाला बनाने का कोई मतलब नहीं निकल रहा है। ग्राम प्रधान व सचिव गोशाला का पैसा खा गए हैं। काम के नाम पर खाना पूर्ति की गई है। गुस्साए ग्रामीण आज गोशाला में इकट्ठा हुए और ग्राम प्रधान व सचिव के ऊपर कार्रवाई की मांग की है। गांव वालों ने बताया कि उनकी आधी फसलें चौपट हो गई हैं। यदि जल्द ही इंतजाम नहीं किया गया तो उनके खाने के लाले पड़ जाएंगे। ऐसे में किसान आत्महत्या करने को फिर से मजबूर हो जाएगा।

# ‘हिंदी भाषा में बाल साहित्य’ विषयक संगोष्ठी का आयोजन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान द्वारा ‘भारतीय भाषा महोत्सव’ के अवसर पर ‘हिंदी भाषा में बाल साहित्य’ विषयक संगोष्ठी ने बाल साहित्य के विकास एवं साहित्यिक प्रभाव के मुद्दे पर गहरा प्रभाव डाला। संगोष्ठी ने बाल साहित्य के समृद्धि एवं उसके साहित्य को बढ़ावा देने का माध्यम प्रदान किया, जिससे भाषा की स्थिति में सुधार किया जा सके।संगोष्ठी ने बाल साहित्य के विभिन्न पहलुओं पर गहरा अध्ययन किया और शोध कार्यों का प्रचार–प्रसार किया।संस्थान के निदेशक विनय श्रीवास्तव ने विशेष रूप से, बाल साहित्य मेंहोने वाले परिवर्तनों को समझने एवं विश्लेषण करने के माध्यम सबके समक्ष रखे एवं बाल साहित्य के प्रमुख लेखकों, कवियों और उनके रचनाओं के साथमुलाकातें करके उनके योगदान को और अधिक समझने के लिए प्रयास करना चाहिए,ऐसा कहा जिससे बाल साहित्य को विस्तृत रूप से सबसे साझा किया जा सके।इस संगोष्ठी का एक और महत्वपूर्ण पहलु यह रहा कि इसमें प्राचीन बाल साहित्य से लेकर आधुनिक अवस्था तक के सभी पहलुओं पर चर्चा की गई, जिससे भाषा के समृद्धिशील विकास की समझ में मदद मिली।उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान ने बाल साहित्य के विकास एवं साहित्यिक विरासत को सुरक्षित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाये, जिससे यह मौन भूमि फिर सेअपनी साहित्यिक महत्ता को पुनर्निर्माण कर सकती है।आमंत्रित बाल साहित्यकार सुषमा गुप्ता, नीलम राकेश,अखिलेश त्रिवेदी शास्वत, डा रश्मि शील, प्रो सुनील वर्मा, डॉ विवेक अग्रवाल, प्रो रामकृष्ण शुक्ल, प्रो बलराज सिंह एवं डॉ शीला पांडेय ने संगोष्ठी में अपने विषय पर व्याख्यान देते हुए बाल साहित्य के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। नीलम राकेश ने बाल साहित्य के विकास में समर्थन के साथ इसके भाषाई और साहित्यिक महत्त्व को बढ़ावा देने के लिए अपने विचार प्रस्तुत किए। अखिलेश त्रिवेदी ने बाल साहित्य के इतिहास, विकास और वर्तमान स्थिति पर अपने व्याख्यान में गहराई से जाकर इसे विश्लेषण किया।प्रो सुनील वर्मा ने संगोष्ठी में बाल साहित्य के साहित्यिक उत्थान केलिए समर्थन और सुझाव प्रस्तुत करते हुए उसके साहित्यिक पूर्वगामी और आधुनिक पहलुओं का मुद्दा उठाया। प्रो रामकृष्ण शुक्ल ने अपने व्याख्यान में बाल साहित्य में परिवर्तनों को उजागर करके उसकी समृद्धि में कैसे योगदान किया जा सकता है, यह प्रस्तुत किया।डॉ शीला पांडेय ने संगोष्ठी में हिंदी भाषा में बाल साहित्य में रस, भावना, और सौंदर्य के पहलुओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए और इसेसाहित्यिक दृष्टिकोण से विश्लेषण किया।कार्यक्रम में विविध सामाजिक विभूतियां, गणमान्य विद्वत, शोधार्थी, संस्थान से दिनेश कुमार मिश्र, अंजू सिंह, प्रियंका, आशीष, हर्ष, ब्रजेश यादव, रामहेत पाल, शशि, छाया आदि उपस्थित रहे।

# दो पक्षों में चले लाठी-डंडे,पांच घायल, चार जिला अस्पताल रेफर, पुरानी रंजिश में हुई मारपीट

रायबरेली। जिले में दो पक्षों में पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट हो गई। जिसमें पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवगढ़ पहुंचाया। वहां पर डॉक्टर ने चार की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। पूरे मामले की जांच पड़ताल में पुलिस जुट गई है। पूरा मामला उमान खेड़ा गांव शिवगढ़ का बताया जा रहा है। पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्ष आमने–सामने आ गए। घायल मंजू सिंह ने बताया कि रन्जीत सिंह, सूर्यपाल, कृष्णपाल सिंह, मनोरमा यह सभी मुंडन में गए हुए थे। घर वापस आए ही थे। तभी विपक्षी सुंदर सिंह, माधव सिंह, विवेक, तारा, आंसू, कविता सभी ने एक राय होकर पुरानी रंजिश को लेकर लाठी डंडा बरसाना शुरू कर दिया। मारपीट में हमारी तरफ से पांच लोग घायल हुए हैं। जिनमें चार की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस को सूचना देने पर पुलिस 1 घंटे बाद मौके पर पहुंची। आसपास के लोगों की मदद से हम सभी को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां चार की हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। किसी का हाथ टूटा तो किसी के पैर सिर में गंभीर चोटें आईं। शिवगढ़ कोतवाली प्रभारी ने बताया कि दोनों पक्षों में पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट हुई है हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। तहरीर मिलने पर विधिम कार्रवाई की जाएगी। जांच पड़ताल की जा रही है।

# ट्रक ने पिकअप में मारा टक्कर,चालक की मौत, दो लोग घायल

रायबरेली। जिले में तेज रफ्तार ट्रक और पिकअप में जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें से पिकअप सवार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वहीं दो लोग इस पूरी घटना में गंभीर रूप से घायल हुए है। जिन्हें पुलिस ने नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुचीं। जहां पर डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी है। घटना लालगंज कोतवाली क्षेत्र के बन्नामऊ का है। जहां तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक की टक्कर से पिकअप चालक छुटका उर्फ महेश अवस्थी पुत्र चंद्रपाल अवस्थी फतेहपुर की मौके पर मौत हो गई। वहीं पिकअप में सवार अन्य दो लोग विशाल पुत्र रामदास और रामबाबू पुत्र राम सहाय निवासी रुकनापुर थाना हरचंदपुर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस ट्रक को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। लालगंज थाना प्रभारी ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही तत्काल प्रभाव से मौके पर पहुंच गए थे। इसके बाद देखा गया कि दो लोग गंभीर रूप से घायल पड़े हुए थे। वहीं एक पिकअप ड्राइवर की मौत हो गई थी। मृतक की शव को कब्जे में ले लिया गया है। वही दोनों घायलों को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे थे। जहां पर उनकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है। जिला अस्पताल में दोनों का इलाज चल रहा है। पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है। तहरीर के आधार पर अग्रिम कार्रवाई होगी।

# सीतापुर-बहराइच मार्ग पर दो ट्रकों की भिड़न्त,ट्रक चालक और खलासी की मौत

सीतापुर। जिले में रेउसा बहराइच मार्ग पर चहलारी घाट पुल पर आज सुबह दो ट्रकों की भिड़न्त हो गई। इस हादसे में ट्रक पर सवार चालक और खलासी की मौत हो गई, जबकि दूसरे ट्रक पर सवार चालक सहित दो अन्य लोग घायल हो गए। शारदा और घाघरा नदी पर बने चहलारी घाट पर हादसे के बाद आवागमन ठप हो गया। सीतापुर से रेउसा मार्ग पर कई किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया। दोनों जिलों की पुलिस मार्ग को खुलवाने में लगी हुई है। घटना सीतापुर और बहराइच जनपद के बॉर्डर के बीच की है। यहां बहराइच सीतापुर मार्ग पर हरदी थाना क्षेत्र में चहलारी घाट पुल स्थित है। बुधवार सुबह तीन बजे के करीब बहराइच और सीतापुर की ओर से आ रहे ट्रकों के बीच आमने–सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में एक ट्रक पर सवार चालक और खलासी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ट्रक का घायल चालक और खलासी मौके से फरार हो गया। इसके चलते बहराइच सीतापुर हाईवे पर जाम लग गया। नदियों के घाट पर लगी लंबी जाम और हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से ट्रकों को हटवाकर जाम खुलवाने के काम शुरू कर दिया है। बताया जाता है कि एक ट्रक मुरादाबाद की ओर से बहराइच कपड़ा लेकर आ रहा था। ट्रक चालक अनवर पुत्र हसनैन निवासी दातीपुर जिला मुरादाबाद और इसी गांव का निवासी ताहिर भूरा दोनों की मौत हो गई। जबकि दूसरे ट्रक में सवार चालक माजिद अली घायल हुआ है। मृतकों के शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

# ट्रैक्टर से कुचलकर युवक की मौत,क्रेशर मशीन पर गन्ना लेकर गया था ड्राइवर

सीतापुर। जिले में क्रेशर मशीन पर गन्ना लेकर गए एक ट्रैक्टर चालक की दर्दनाक मौत हो गयी। सोते समय अचानक ट्रैक्टर ट्राली के नीचे आने से ट्रैक्टर चालक की मौत हो गयी। हादसे की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस द्वारा बगैर सूचना के शव को पोस्टमॉर्टम के भेजे जाने से परिवार वालों में पुलिस के खिलाफ आक्रोश है। घटना इमलिया सुल्तानपुर थाना इलाके की है। यहां ट्रैक्टर के नीचे सो रहे चालक पर ट्रैक्टर का पहिया चढ़ने से मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार,क्षेत्र के ग्राम ओडहरा निवासी 33 वर्षीय महेश पुत्र भरोसे बीती रात ग्राम सभा तिहार में लगी क्रेशर मशीन पर गन्ना तुलवाने के लिए किराये से गन्ना भरकर ले गया था। रात में क्रेशर मशीन पर भीड़ और ट्रैक्टरों की लाइन अधिक होने से चालक महेश ट्रैक्टर ट्रॉली के नीच ही सो गया। बताया जाता है कि लाइन चलते ही ट्रैक्टर पर सवार अन्य चालक ने जैसे ही ट्रैक्टर आगे बढ़ाया तो उसके नीचे सो रहे महेश पहिये के नीचे आ गया। घटना के बाद महेश की मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने उन्हें हादसे की सूचना दिए बगैर ही शव का पंचायतनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिये भेज दिया। पीड़ित परिवार बेहद दुःखी है।

# बहन और उसके प्रेमी पर भाई ने बांके से किया-हमला

सीतापुर। जिले में बहन के प्रेम–प्रसंग से नाराज भाई ने बहन की जमकर पिटाई कर दी। पिटाई से बचने के लिए भागकर वह प्रेमी के घर पहुंच गई। भाई ने घर में घुसकर दोनों पर बांके से ताबड़तोड़ वारकर लहूलुहान कर दिया। प्रेमी–प्रेमिका को घायल अवस्था में कमरे को बाहर से बंद कर भाई फरार हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया। पुलिस ने प्रेमी की तहरीर के आधार पर भाई के खिलाफ केस दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। घटना महोली कोतवाली इलाके की है। मुदाहूसा निवासी संजय का पड़ोस में रहने वाली ममता नामक युवती से प्रेम प्रसंग काफी समय से चल रहा था। प्रेमी संजय ने बताया कि बीते वर्ष वह प्रेमिका को लेकर बाहर चला गया था। जिसके बाद प्रेमिका के परिवार वालों के केस पर उसे जेल जाना पड़ा, लेकिन प्रेमिका के बालिग होने और बयान के आधार पर वह जल्द ही जेल से बाहर आ गया। जेल से बाहर आने के बाद दोनों की नजदीकियां और बढ़ गई, लेकिन प्रेमिका ममता के भाई विशाल को उसकी नजदीकियां पसंद नहीं थी। इसी के चलते वह अपनी बहन को संतोष से दूर रहने के लिए आए दिन मारता–पीटता रहता था। किसी बात को लेकर प्रेमिका का भाई प्रेमिका को मारते पीटते हुए बांके को उठा लाया। प्रेमिका ने अपनी जान बचाने के लिए घर से भागकर प्रेमी के घर पहुंच गया। इससे आग बबूला ममता का भाई विशाल अपने एक अन्य साथी के साथ प्रेमी के घर मे घुसकर दोनों की जमकर पिटाई करते हुए बांके से प्रहार कर दोनों को जान से मारने का प्रयास किया। चीख पुकार के बाद आरोपी भाई कमरे को बंद कर फरार हो गया। सीओ महोली अमन सिंह ने बताया कि दोनों का उपचार चल रहा है और प्रेमी संजय की तहरीर पर प्रेमिका के भाई के खिलाफ केस दर्ज कर तलाश की जा रही है।

# नगर के रास्तों पर लग रहा जाम राहगीर परेशान

## दुकानें फुटपाथ लगी होने से सड़क पर खड़े रहते वाहन

हरदोई। संडीला नगर का इकलौता मुख्य मार्ग होने के कारण दिन प्रतिदिन भीषण जाम लगा रहता है। जिसमें राहगीरों को कई घंटों जाम के झांम में फंस जाते है। सबसे ज्यादा समस्या प्रतिदिन हजारों की संख्या में ग्रामीण संडीला खरीददारी करने आते है। नगर के मुख्य मार्ग पर छोटा चौराहा, बड़ा चौराहा, गल्ला मंडी के प्रतिदिन जाम लगा रहता है नगर में कस्बा चौकी पर तो जाम ही जाम बना रहता है नगर के मुख्य मार्ग पर यूनियन बैंक, इलाहाबाद बैंक, होने से पार्किंग की सुविधा न होने से लोग सड़क पर अपने अपने वाहन खड़े कर देते है जिससे जाम की झाम की स्थित बराबर बनी रहती है। लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों का इस ओर कोई ध्यान नहीं जाता है। लगभग एक लाख की आबादी वाला नगर पालिका परिषद संडीला में करीब दर्जनों की संख्या में इंटर कालेज एवं कई नर्सिग होम मुख्य मार्ग एवं गलियों पर आते है जिनमें रोज पढ़ने हजारों की संख्या में विद्यार्थी आते जाते है एवं नर्सिंग होम में मरीजों की काफी भीड़ बनी रहती है। पार्किंग की सुविधा न होने की वजह से जिसके चलते मरीजों के वाहन भी फुटपाथ पर खड़े रहने से जाम लग जाती है। स्थिति भयावह तब हो जाती है जब स्कूल में छुट्टी के बाद सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थी निकलते है। नगर पालिका परिषद द्वारा लगवाई गई इंटरलाकिंग फुटपाथ पर दुकानदार अपनी दुकानें सजाएं बैठे रहते है। पूर्व अधिशासी अधिकारी वीरेंद्र प्रताप सिंह ने एक बार फुटपाथ से दुकानें हटवाई थी परंतु उनके स्थानांतरण के उपरांत फिर दुकानदारों ने अतिक्रमण कर दिया। नगर पालिका संडीला की अधिशासी अधिकारी विजेता गुप्ता ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया वही दूसरी ओर ई रिक्शा चालक भी अपने वाहन बीच सड़क पर खड़ा करके सवारियां बैठालने लगते है जिससे जाम की स्थित बन जाती है।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।